दैनिक
इंटरनल न्यूज
सच की तह तक....
internalnews@gmail.com
www.internalnews.com
वर्ष : 11 | अंक : 28 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 3 रूपये | भोपाल, गुरूवार 24 अप्रैल 2025 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

सूविचार

ईश्वर का दर्शन और मित्र का मार्गदर्शन दोनों ही जीवन को प्रकाशित कर देते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जेल में बंद अपराधी कोई 'गुलाम' नहीं : दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बलात्कार और हत्या से जुड़े एक मामले में सजायाफ्ता एक व्यक्ति की पैरोल अर्जी यह कहते हुए स्वीकार कर ली कि सिर्फ इसलिए कि कोई अपराधी 20 साल से अधिक समय से जेल में है, उसके साथ 'गुलाम' जैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि याचिकाकर्ता ने अपने अपराध के लिए दो दशक से अधिक समय जेल में बिताया है। न्यायमूर्ति कृष्णा ने 16 अप्रैल के अपने फैसले में कहा, ''उसे जीवन के मौलिक अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। सिर्फ इसलिए कि वह जेल में कैद है, उसके साथ 'गुलाम' जैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता, जिसे कोई बुनियादी मौलिक मानवाधिकार हासिल नहीं है। अब समय आ गया है कि जेल अधिकारी ऐसे मामलों से निपटने में थोड़ी अधिक संवेदनशीलता दिखाएं।'' बलात्कार और हत्या के मामले में सजायाफ्ता व्यक्ति ने पैरोल पर चार हफ्ते के लिए रिहा किए जाने के अनुरोध को लेकर उच्च न्यायालय का रुख किया था। याचिका पर सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने इस बात पर गौर किया कि याचिकाकर्ता ने 2022 में आत्महत्या का प्रयास किया था और जेल अधिकारियों से 'थोड़ी अधिक संवेदनशीलता' दिखाने को कहा।

मणिपुर के कामजोंग जिले में कई घरों में आग लगाई गई, दो गांवों में कर्फ्यू

नई दिल्ली। मणिपुर के कामजोंग जिले के दो गांवों में बुधवार की सुबह अज्ञात हथियारबंद लोगों ने कई घरों में आग लगा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना उस समय घटी जब जिले के सहामफुंग सब-डिवीजन के गम्पाल और हैयांग गांवों के अधिकांश निवासी कृषि संबंधी कार्यों के लिए खेतों में गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि शुरुआती खबरों के मुताबिक सात से अधिक घर पूरी तरह जलकर खाक हो गए। अधिकारी के अनुसार, इनमें से अधिकतर घर फूस की छत वाले थे। उन्होंने बताया कि घटना के बाद कामजोंग के जिलाधिकारी रंगनामी रंग पीटर ने अपराह्न दो बजे से दोनों गांवों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। जिलाधिकारी के आदेश में कहा गया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 की उपधारा एक के तहत किसी भी व्यक्ति के अपने आवास से बाहर जाने पर रोक लगाई जाती है। आधिकारिक आदेश में पीटर ने कहा, ''ऐसी गड़बड़ियों से शांति को गंभीर खतरा पैदा हो सकता है और मानव जीवन व संपत्तियों को क्षति की आशंका पैदा हो सकती है।'' आदेश में हालांकि स्पष्ट किया गया है कि ये प्रतिबंध कानून और व्यवस्था बनाए रखने या आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में शामिल सरकारी एजेंसियों पर लागू नहीं होंगे।

राहुल को वक्फ अधिनियम को असंवैधानिक कहने का कोई अधिकार नहीं: जगदंबिका पाल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता जगदंबिका पाल ने मंगलवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें वक्फ संशोधन अधिनियम को असंवैधानिक कहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि उन्होंने इस पर लोकसभा में हुई चर्चा में भाग नहीं लिया। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संसद की संयुक्त संसदीय समिति के प्रमुख रहे पाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''संयुक्त संसदीय समिति ने विधेयक में 14 संशोधन किए और छह महीने तक विस्तृत विचार-विमर्श किया। सरकार ने सभी 14 संशोधनों को स्वीकार कर लिया, जो लोकतंत्र की ताकत को दर्शाता है।'' उन्होंने कहा,''लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का कहना है कि विधेयक असंवैधानिक है। लोकसभा में 12 घंटे लंबी चर्चा हुई। उन्होंने चर्चा में भाग क्यों नहीं लिया? उन्हें इसे असंवैधानिक कहने का कोई अधिकार नहीं है।

बिहार के लोगों को जाति, धर्म से ऊपर उठकर सिर्फ बिहारी बनना चाहिए

नई दिल्ली। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मंगलवार को राज्य के लोगों से जाति, धर्म और समुदाय के बंधन से ऊपर उठकर केवल 'बिहारी' बनने का आग्रह किया। नालंदा खुला विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए खान ने कहा कि बिहार के लोग राज्य के बाहर भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा, 'वे (बिहार के लोग) राज्य के बाहर खुद को बिहारी बताते हैं। लेकिन जब वे अपने राज्य में आते हैं तो खुद को जाति, धर्म और समुदाय से जोड़ने लगते हैं।' खान ने कहा कि बिहार में सच्चा बिहारी मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा, 'बिहार के लोगों को जाति, धर्म और समुदाय के बंधन से ऊपर उठकर सिर्फ बिहारी बनना चाहिए।

क्षेत्रीय उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग और ब्रांडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

कुटीर और ग्रामोद्योग उत्पाद ऑनलाइन प्लेटफार्म पर उपलब्ध हों : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग, औद्योगिकरण की सबसे छोटी इकाई हैं। इसमें ग्राम स्तर तक लोगों को उद्यमिता और उत्पादन से जोड़ा जा सकता है। क्षेत्रवार गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उज्जैन, महेश्वर, चंदेरी, भोपाल, ग्वालियर आदि की हस्तशिल्प कला और हथकरघा से निर्मित सामग्री की बेहतर मार्केटिंग और ब्रांडिंग सुनिश्चित की जाए। कुटीर और ग्राम स्तर पर गतिविधियों का विस्तार करते हुए उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराया जाए।

इसके लिए ग्राम और परिवार स्तर पर आवश्यक प्रशिक्षण, मार्केट लिंकेज और बेहतर प्रस्तुतिकरण के लिए कार्य योजना बनाई जाए। विभाग, स्वयं सामग्री का उत्पादन करने के स्थान पर निजी स्तर पर संचालित गतिविधियों को प्रोत्साहन प्रदान करने की नीति अपनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग की बैठक कर गतिविधियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जयसवाल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुटीर एवं ग्रामोद्योग के अंतर्गत खाद्य सामग्री से संबंधित उत्पादों को भी जोड़ना आवश्यक है। मधुमक्खी पालन और शहद उत्पदन को सहायक गतिविधि के रूप में लेने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। प्रदेश में विद्यमान धार्मिक स्थलों के आसपास भगवान के वस्त्र निर्माण, धातु- लकड़ी- मिट्टी की मूर्तियों के निर्माण और अन्य पूजा सामग्री बनाने से स्थानीय युवाओं को जोड़कर स्वरोजगार की गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत हुई प्रगति की सराहना की। बैठक में जानकारी दी गई कि माँ अहिल्या देवी की 300 वीं जन्म जयंती के अवसर पर महेश्वर किले में उकेरे डिजाइनों और पैटर्नों को साड़ियों पर उकेर कर माँ अहिल्या देवी के नाम से साड़ियों का नया कलेक्शन जारी किया जाएगा।

गया एयरपोर्ट से विदेशी उड़ानें बंद, पर्यटन पर भी असर

इलाहाबाद। गया एयरपोर्ट पर सामरिक गर्मी के कारण म्यांमार, भूटान, थाइलैंड, वियतनाम की इंटरनेशनल उड़ानें पूरी तरह से रद्द कर दी गई है। इससे गया एयरपोर्ट पर एकाएक रोजगार स्थिति में गिरावट आई है। बोधगया का पर्यटन सीजन क्योंकि गर्म काल धमाकेदार है, इंटरनेशनल उड़ानें रोक दी गई हैं। इसके साथ ही बोधगया में दिखनेवाले सिलसिले में विदेशी पर्यटक भी कम हो गए हैं। यह सुनिश्चित हो गया है कि अक्टूबर से पुनः इंटरनेशनल उड़ानों की शुरुआत होगी, हालांकि अगस्त तक ओफ सीजन रहेगा। इस बीच अवसर है कि पर्यटनिक कार्यक्रमों की योजना बनाकर पर्यटन व्यवसायियों के लिए नैरोजी और आय ठीक करने का प्रयास किया जाए। इंटरनेशनल विमानों की उड़ान बंद होने से बोधगया में विदेशी पर्यटकों के आने का सिलसिला थम गई है। यहां के अधिकाशं बौद्ध मठ और होटल सूने हैं। अब सात माह बाद यानी अक्टूबर से फिर विदेशी सैलानियों के आने का सिलसिला शुरू होगा। अगस्त माह तक ऑफ सीजन रहेगा। बोधगया का पर्यटन सीजन अमूमन सितंबर माह से शुरू हो जाता है। जब मौसम में ठंडक बढ़ेगी। मौसम बदलने के साथ विदेशी पर्यटकों का भी आना शुरू होता है। आमतौर पर मार्च तक पर्यटन सीजन चलती है। नवबंर से फरवरी माह विदेशी पर्यटकों की भीड़ ज्यादा रहती है। लेकिन गर्मी के मौसम में गिने चुने पर्यटकों के अलावा कोई नहीं आता।

दिल्ली समेत 14 राज्यों में चलेगी लू, 12 राज्यों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने बुधवार को दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश सहित 14 राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की है। इस दौरान कई राज्यों में तापमान में 3-5 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। यूपी में अगले पांच दिन में अधिकतम तापमान 47 डिग्री पहुंचने का अनुमान है। राजस्थान के 4 जिलों में आज लू का यलो अलर्ट जारी किया गया है। 14 शहरों में मंगलवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर रहा। वहीं मध्यप्रदेश के 6 जिलों में हीटवेव चलेगी। खजुराहो, नौगांव, पन्ना, सीधी में तापमान 45 डिग्री या इससे ज्यादा रह सकता है। उधर, छत्तीसगढ़ में मंगलवार को बीजापुर-तेलंगाना बॉर्डर पर लू से एक मजदूर की मौत हो गई। वह मिर्ची तोड़ने तेलंगाना गया था। मौसम विभाग ने 3 दिनों तक सरगुजा संभाग, रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग के 11 जिलों में लू का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, मणिपुर समेत 12 राज्यों में बुधवार को बारिश की संभावना जताई है। अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 27 अप्रैल तक भारी बारिश हो सकती है। असम और मेघालय में तेज आंधी-तूफान की आशंका है।

कांग्रेस ने की सर्वदलीय बैठक की मांग, खड़गे बोले- ये समय राजनीति करने का नहीं

नई दिल्ली। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की निंदा की और केंद्र से आतंकवाद से लड़ने के सामूहिक संकल्प को आकार देने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार से हम अपेक्षा करते हैं कि जब जरूरी कार्रवाई हो जाए और पूरी मालूमात हासिल हो गई हो तो, वह सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेकर आतंकवाद की चुनौती से निपटने के बारे में चर्चा करेगी। उन्हें सर्वदलीय बैठक बुलाकर कुछ सलाह लेनी चाहिए। यह राजनीति नहीं है और हम इस स्थिति में राजनीति नहीं चाहते। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि कल दोपहर करीब 2:30 बजे, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों की हत्या से हमें गहरा दु:ख और सदमा पहुँचा है।

हमले पर बड़ा खुलासा...एक से सात अप्रैल तक आतंकियों ने की थी रेकी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले से पूरे देश में आक्रोश है। इस हमले में अब तक 26 लोगों की मौत हो गई है जबकि 17 लोग घायल बताए गए हैं। खुफिया सूत्रों के अनुसार कुल छह आतंकियों ने वारदात को अंजाम दिया। टीआरएफ कमांडर सैफुल्लाह ने हमले की साजिश रची है। हमले में शामिल चार आतंकियों को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। हमले में दो स्थानीय आतंकी और दो पाकिस्तानी आतंकियों की भूमिका की जानकारी मिली है। संदिग्ध आतंकियों के स्केच भी जारी किए गए हैं। सूत्रों का कहा है कि भारत पलटवार करने की रणनीति पर काम कर रहा है। भारत के निशाने पर पीआके में 42 टेरर लॉन्च पैड हैं। इस बीच पाकिस्तानी सेना ने अपनी तरफ के लाइन ऑफ कंट्रोल पर हाई अलर्ट जारी किया है। कश्मीर घाटी में 35 साल में पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बुधवार को बंद रहा। पहलगाम पर्यटन स्थल में हुई हत्याओं के विरोध में बंद के आह्वान का सभी क्षेत्रों के संगठनों ने समर्थन किया। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में अधिकांश दुकानें, पेट्रोल पंप और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। उन्होंने बताया कि शहर भर में केवल आवश्यक वस्तुओं की दुकानें ही खुली रहीं।

एक बार फिर भूकंप के झटके से थर्राया कच्छ, रापर से नखत्राणा तक दिखा असर

कच्छ। गुजरात सीमावर्ती जिले कच्छ में देर रात भूकंप से अफरातफरी मच गई राहत की बात है कि इसमें कोई नुकसान की खबर नहीं है वर्ष 2001 के विनाशकारी भूकंप के बाद से जिले में छोटे-मोटे भूकंप के झटकों का सिलसिला लगातार जारी है। कल देर रात 11:26 बजे कच्छ जिले दुधई के निकट 5.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इस भूकंप का असर रापर से लेकर नखत्राणा क्षेत्र तक महसूस किया गया। वर्ष 2001 में कच्छ में आए विनाशकारी भूकंप के बाद, विशेष रूप से वागड़ फॉल्ट लाइन पर छोटे-छोटे झटके दर्ज किए जा रहे हैं। खासकर खावड़ा क्षेत्र के निकट छोटे-छोटे भूकंपों का सिलसिला लगातार जारी है। कच्छ के वागड़ क्षेत्र में कल रात 11:26 बजे 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र पूर्वी कच्छ के दुधई से 17 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पूर्व में दर्ज किया गया। पूर्वी कच्छ के वागड़ क्षेत्र में भचाऊ के पास भूकंप फॉल्ट लाइन पर 1.0 से 4.0 तीव्रता के लगातार झटके दर्ज किए जा रहे हैं। भूकंप के झटके अक्सर महसूस किए जाते हैं खासकर वागड़ क्षेत्र के भचाऊ, रापर और दुधई के आसपास के इलाकों में। इसलिए भारत-पाकिस्तान सीमा पर भी फॉल्ट लाइन सक्रिय हो गई है।

ताज की खूबसूरती पर फिदा हुए अमेरिकी उप राष्ट्रपति, कहा-

अद्भुत है इमारत, पत्नी और बच्चे भी थे साथ

आगरा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा और बच्चों के साथ ताजमहल का दीदार किया। करीब डेढ़ घंटे तक परिवार के साथ जेडी वेंस ने मोहब्बत की इमारत का दीदार किया। इस दौरान उन्होंने विजिटल बुक में लिखा कि ताजमहल वास्तव में अद्भुत है। ताजमहल परिसर में पहुंचते ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के चेहरे पर अलग ही मुस्कान दिखाई दी। मानो वो ताज की खूबसूरती को शब्दों में बयां नहीं कर पा रहे थे। पत्नी और बच्चों के साथ इस दौरान उन्होंने फोटो खिंचाए। खेरिया हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूलों का गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा और बच्चों के साथ खेरिया हवाई अड्डे तय समय पर पहुंचे। यहां से ताजमहल तक उपराष्ट्रपति के रूट पर सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किए गए थे। सांस्कृतिक आयोजनों के लिए मंच भी सजाए गए थे। मगर, जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शोक में सांस्कृतिक आयोजन नहीं किए गए। उपराष्ट्रपति का काफिला जब एयरपोर्ट से निकला, तो बच्चों ने भारत और अमेरिका के झंडे दिखाकर अभिवादन किया।

पहली बार भारत यात्रा पर आए अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को राज्य अतिथि का दर्जा दिया गया है। इसलिए मुख्यमंत्री योगी ने स्वयं एयरपोर्ट पर उनका स्वागत व सत्कार किया। बता दें अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों ने तीन दिन से आगरा में डेरा डाला हुआ है। एयरपोर्ट से शिल्पग्राम होते हुए ताजमहल तक करीब 12 किमी. सड़क पर कड़ी सुरक्षा रखी गई है।

बैठक

सीसीएस बैठक में पाकिस्तान पर शिकंजा

सिंधु जल संधि पर रोक, पाकिस्तानियों को 48 घंटे में हिंदुस्तान छोड़ना होगा

नई दिल्ली। सीसीएस बैठक में भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया और पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों में कटौती की घोषणा की। साथ ही पाकिस्तान के सैन्य सलाहकारों को भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देने के लिए पाकिस्तान ने भी गुरुवार को एक हाई-लेवल बैठक बुला ली है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार रात बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक होगी। इसमें पाकिस्तान के सभी सेना प्रमुख और प्रमुख कैबिनेट मंत्री शामिल होंगे। इस बैठक में भारत की कार्रवाई पर 'उचित प्रतिक्रिया' तय की जाएगी। पीएम मोदी के आवास पर हुई सीसीएस की बैठक में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखा जाएगा, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक समाप्त होने के बाद विदेश मंत्रालय मीडिया को संबोधित कर रहा है।

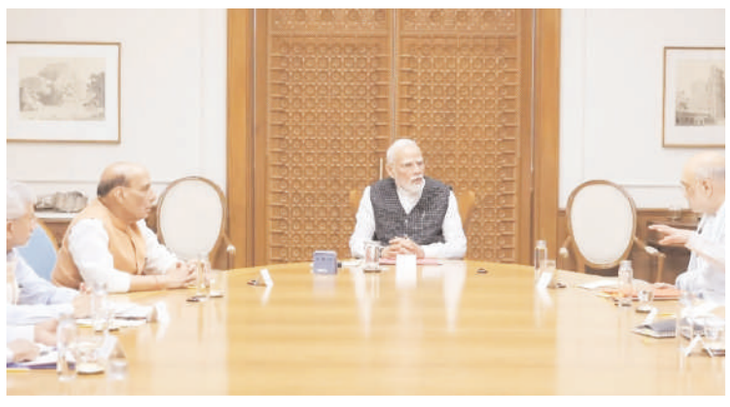

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, सीसीएस ने कड़े शब्दों में हमले की आलोचना की है। दुनिया के कई देशों ने समर्थन जताया है और कड़े शब्दों में हमले की निंदा की है। बैठक में कई फैसले लिए गए हैं। पाकिस्तानियों का वीजा रद्द किया गया है। सिंधु जल समझौता रोका गया है। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कश्मीर में आतंकवादी हमले के बाद फंसे राज्य के पर्यटकों को वापस लाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए श्रीनगर रवाना हुए।

देश में सर्वाधिक 2600 रूपये प्रति क्विंटल दर पर गेहूं खरीद रही है मध्यप्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार पूरे देश में सर्वाधिक 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर गेहूं खरीद रही है, ताकि प्रदेश के गेहूं उत्पादक किसानों को सर्वाधिक लाभ मिले। इस उपार्जन राशि में सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस राशि भी शामिल है। उन्होंने कहा कि गेहूं उत्पादन एवं उपार्जन के मामले में हम पंजाब और हरियाणा जैसे खाद्यान्न उत्पादक राज्यों से भी आगे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी प्रकार के राशन कार्डधारकों की ई-केवाईसी जल्द से जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता अधिकार संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी प्रकार के राशन कार्ड धारकों को समय पर और बिना किसी कठिनाई के पात्रतानुसार राशन सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को राशन पाने में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सार्वजनिक खाद्यान्न वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए व्यवस्थाओं को बेहतर और त्रुटिरहित बनाने के निर्देश दिए हैं, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी राशन पाने से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़ी सभी योजनाएं, विशेषकर खाद्यान्न वितरण, उज्जवला गैस योजना की सब्सिडी वितरण और घर-घर घरेलू गैस पाइप लाइन डालने का काम पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ किये जाएं, ताकि प्रदेश के नागरिकों को सरकार की सुविधाओं का भरपूर लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि त्रुटिरहित राशन वितरण, किसानों को उपार्जन राशि का समय पर भुगतान और हर जरूरतमंद तक खाद्यान्न पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी प्रबंध और जरूरी कदम उठाये जायें। घरेलू गैस की पाइप लाइन डालने का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि मक्का, कोदो-कुटकी जैसे श्रीअन्न भी स्व-सहायता समूह एवं शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को दिये जायें, ताकि इनकी मांग (खपत) में वृद्धि हो और श्रीअन्न पैदा करने वाले किसानों को प्रोत्साहन मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में चल रही गेहूं उपार्जन व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गेहूं की खरीदी प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता का पालन किया जाए और किसानों को गेहूं उपार्जन का भुगतान कम से कम समय में कर दिया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग की अवधि 30 अप्रैल तक करें। इस अवधि तक बुकिंग कराने वाले सभी किसानों से गेहूं उपार्जन का समस्त कार्य 5 मई 2025 तक हर हाल में पूराकिया जाए। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता अधिकार संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बैठक में बताया कि गोदामों में खाद्यान्न स्कंध की हेरा-फेरी पर अंकुश लगाने के लिए अब खाद्य विभाग द्वारा खाद्यान्नों के सभी बारदानों (बोरों) में क्यूआर कोड लगाये जायेंगे। इसी तरह एमपी वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के अधीन सभी वेयरहाउस को भी क्यूआर कोडयुक्त किया जा रहा है। इनमें सीसीटीव्ही कैमरे भी लगवाये जाएंगे। खाद्यान्न वितरण, शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर नजर रखने एवं फूड-स्टॉकिंग के सभी कामों की मुख्यालय से निगरानी के लिए भोपाल में एक कंट्रोल कमांड सेंटर भी बनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग स्वयं के 1596 गोदामों का क्रमबद्ध तरीके से आधुनिकीकरण एवं उन्नयन कर रहे हैं। सभी गोदाम में भंडारित स्टॉक एवं अन्य संसाधनों के अधिकतम रिस्क कवर के लिए नवीनतम प्रावधानों के तहत बीमा पॉलिसी भी लागू की जा रही है। मंत्री श्री राजपूत बताया कि उपार्जित स्कंध की साफ-सफाई के लिए उपार्जन केन्द्रों पर मैकेनाइज्ड क्लीनिंग मशीनों की स्थापना की गई है। स्कंध की गुणवत्ता परीक्षण के लिए ग्रेन एनालाईजर के साथ-साथ विभाग के अधीन सभी वेयर हाउसेस में संकेतक (साइनेज) भी लगाये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूपीएससी की परीक्षा में चयनित युवाओं को दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि संघ लोक आयोग के घोषित परिणामों में प्रदेश के प्रतिभाशाली युवाओं का चयन गर्व का विषय है। यह परिणाम बताते हैं कि युवाओं ने शासकीय सेवा के माध्यम से राष्ट्र की सेवा करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चयनित युवाओं को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कल सिविल सेवा दिवस मनाया गया। सिविल सेवकों की जन कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान में अधिकारी वर्ग ने श्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करते हुए सार्थक भूमिका का निर्वहन किया है, जिसके कारण भारत की एक विशेष पहचान बनी है। प्रदेश के युवाओं ने अच्छा अवसर पाया है। यूपीएससी के रिजल्ट में प्रदेश के युवाओं ने शासकीय सेवा के माध्यम से देश की सेवा करने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की है कि सभी चयनित युवा राष्ट्र सेवा के लिए बेहतर से बेहतर कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिविल सेवा परीक्षा-2024 में चयनित होने वाले देशभर के सभी प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

मंदसौर के 2 युवा एआरआई में सिलेक्ट, एक की रैंक एआरआई 28

मंदसौर के 2 युवाओं ने देश की सबसे प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षा पीएससी में सिलेक्ट होकर मंदसौर का नाम रोशन किया है। इनमें एक की रैंक तो काफी आगे यानी एआरआई 28 है। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा 2024 के परिणाम आज घोषित हुए।देशभर के 1009 चयनित युवाओं की सूची में मंदसौर जिले के गरोठ के श्री ऋषभ पिता मनोज चौधरी को एआरआई 28 और मंदसौर के जनता कॉलोनी निवासी श्री युगांश पिता नरेंद्र कमल भटनागर को एआरआई 307 रैंक मिली। जिले की दो युवा प्रतिभाओं का चयन जिले वासियों को गौरवान्वित करने वाला है। प्रतिभाशाली युवाओं ने अपनी मेधा शक्ति से इस चयन परीक्षा में चयनित होकर अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया है।

वरिष्ठ चित्रकार डॉ. अर्चना मुखर्जी का कोलकत्ता की प्रतिष्ठित गैलरी गोल्ड में सम्मान

भोपाल। मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध करने वाली वरिष्ठ चित्रकार डॉ. अर्चना मुखर्जी को कोलकत्ता की प्रतिष्ठित गैलरी गोल्ड में आयोजित चित्रकला प्रदर्शनी में सम्मानित किया गया है। यह प्रदर्शनी कलात्मक उत्कृष्टता और सृजनात्मकता का एक अद्वितीय मंच प्रदान करती है, जहाँ देश भर के प्रमुख कलाकार अपनी कृतियों का प्रदर्शन करते हैं। डॉ. अर्चना मुखर्जी की कलाकृतियाँ अपनी गहराई, भावनात्मकता और तकनीकी उत्कृष्टता के लिए जानी जाती हैं। उनकी रचनाएँ न केवल दृश्य सौंदर्य को बढ़ाती हैं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों पर भी गहराई से विचार करती हैं। इस प्रदर्शनी में उनके द्वारा प्रदर्शित कृतियों ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों की प्रशंसा प्राप्त की है। गैलरी गोल्ड द्वारा डॉ. अर्चना मुखर्जी का सम्मान उनकी कलात्मक योगदान और मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण मान्यता है। यह सम्मान न केवल डॉ. मुखर्जी के लिए बल्कि पूरे भोपाल के कलात्मक समुदाय के लिए भी गर्व का विषय है। इस अवसर पर डॉ. अर्चना मुखर्जी ने कहा यह सम्मान मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और मुझे अपनी कलात्मक यात्रा में निरंतर प्रेरित करता है। मैं गैलरी गोल्ड और सभी दर्शकों की आभारी हूँ जिन्होंने मेरी कृतियों की सराहना की।

आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों में इंदौर के सुशील नाथेनियल भी

बेटी के पैर में गोली लगी

इंदौर। कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में 27 पर्यटक मारे गए और 11 घायल हुए। मृतकों में इंदौर के सुशील नाथेनियल भी हैं, जो आलीराजपुर में जीवन बीमा निगम की सेटेलाइट शाखा में पदस्थ थे। वे अपनी पत्नी और बेटी के साथ कश्मीर घूमने गए थे। इस हमले में उनकी मौत हुई, जबकि बेटी के पैर में गोली लगी है, जिसे अस्पताल में भर्ती किया गया। सुशील इंदौर के एमआर-10 के अभिनंदन नगर में रहते थे।

वे चार दिन पहले ही बेटे ऑस्टन (21), बेटी आकांक्षा (30) और पत्नी जेनिफर के साथ कश्मीर गए थे। जेनिफर खातीपुरा के एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका हैं। घायल आकांक्षा सूरत में बैंक ऑफ बड़ौदा में कार्यरत हैं। परिवार मूल रूप से जोबट का निवासी है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, बेटा और पत्नी सुरक्षित हैं। घटना के समय आतंकवादियों ने सुशील को घुटनों पर बैठाया और उन्हें कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया। जब उन्होंने अपना धर्म क्रिश्चियन बताया, तो आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। हमलावरों ने सुशील की बेटी पर भी गोली चलाई, जो उसके पैर में लगी

पहलगाम के आतंकवादी हमले में इसी परिवार की दो महिलाएं बच गई। भगदड़ में घायल होने वाली महिला आकांक्षा मृतक सुशील की बेटी है, जबकि दूसरी महिला जेनिफर उनकी पत्नी है, जो गोलियों की आवाज और पर्यटकों के शव देखने के बाद सदमे में चली गईं। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इन दोनों के सामने ही आतंकवादियों ने पर्यटकों पर गोलियां चलाकर हत्याकांड किया था। बताया गया कि आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी के बाद जब महिलाएं भागी थीं, तो आकांक्षा के पैर में गोली लगी। जबकि, दूसरी महिला उनकी मां है, जिनके पास से गोलियां निकली, जिससे वे सदमे में है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर (कानून) अमित सिंह ने इस बात की पुष्टि की है।

भोपाल जिले के प्रतिभावान अभ्यर्थी क्षितिज आदित्य शर्मा ने पीएससी परीक्षा में हासिल की 58वीं रैंक।

विद्यार्थी अपनी जिम्मेदारी पूर्ण समर्पण के साथ निभाएं और आगे बढ़ें: मंत्री पटेल

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा है कि शिक्षा पूर्ण होने और प्लेसमेंट हो जाने के बाद सभी विद्यार्थी एक नए जीवन की ओर आगे बढ़ेंगे। वे अपनी जिम्मेदारी पूर्ण समर्पण के साथ निभाएं और आगे बढ़ें। उन्हें जीवन में सफलता के अनेक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कठिनाई के समय में निराश न हों, बल्कि अपने अंदर की कमी को निखारे और आगे बढ़े। जीवन में कुछ हट के करना होगा, जिससे दुनिया आपको याद रखे। आईईएस यूनिवर्सिटी एवं आईईएस कॉलेज ऑफ टेक्नालजी के वर्ष-2025 बैच के प्लेसमेंट में चयनित इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक, मैनेजमेंट, फार्मेसी, बीबीए, बीसीए एवं अन्य कोर्स के छात्रों के लिए प्लेसमेंट-डे का आयोजन आईईएस कैम्पस में मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य मंत्री श्री लखन पटेल ने किया। उन्होंने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। आईईएस यूनिवर्सिटी चान्सलर श्री बी.एस. यादव, प्रो. (डॉ.) सुनीता सिंह उपस्थित थे। विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। यूनिवर्सिटी के सीईओ श्री देवांश सिंह ने आभार व्यक्त किया। हर साल की तरह इस बार भी आईईएस यूनिवर्सिटी के वर्ष-2025 बैच के विद्यार्थियों का अच्छा प्लेसमेंट हुआ। जून 2025 में पास-आउट विद्यार्थियों का चयन देश की टॉप कंपनी जैसे विप्रो, कॉग्निजेंट, डेलोइट, पियाजिओ, जायकी, माइन्ड ट्री जैसी कई कंपनी में हुआ है।

भारतीय संस्कृति में है समृद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण : मंत्री परमार

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल एवं अखिल विश्व गायत्री परि?वार के संयुक्त तत्वावधान में यज्ञ अनुष्ठान के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शोध, परीक्षण एवं प्रयोगात्मक अध्ययन कार्यों के विस्तृत प्रतिवेदन का अवलोकन किया। प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण द्वारा शोधार्थी विद्यार्थियों ने मंत्री श्री परमार को अपने शोध एवं अध्ययन कार्यों से भी अवगत कराया। मंत्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा के महत्वपूर्ण अंग यज्ञ अनुष्ठान पर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित आध्यात्मिक पुरुषार्थ करने वाले समस्त शोधार्थी विद्यार्थियों एवं वैज्ञानिक दल की सराहना करते हुए, उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्री श्री परमार ने कहा कि यज्ञ अनुष्ठान, भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण अंग है। यज्ञ अनुष्ठान के शोध एवं अध्ययन का यह निष्कर्ष, वैश्विक मानस पटल पर भारतीय पुरातन ज्ञान के प्रति मानसिक अवधारणा को प्रभावित करेगा और भारतीय समाज में प्रचलित परम्परा के रूप में निहित ज्ञान में विद्यमान वैज्ञानिक दृष्टिकोण को वैश्विक मंच पर अभिव्यक्त करेगा। श्री परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शोध एवं अध्ययन सतत् होना चाहिए। भारतीय समाज में हर विद्या हर क्षेत्र में विद्यमान ज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में पुन: शोध एवं अनुसंधान कर, दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता हैं। इसके लिए समाज में अपने पुरातन ज्ञान के प्रति स्वत्व का भाव जागृत कर, हीन भावना से मुक्त होना होगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने समाज में शोध एवं अनुसंधान के आधार पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण समावेशी परंपराएं स्थापित की थीं। अतीत के विभिन्न कालखंडों में भारतीय समाज की परम्पराओं के प्रति हीन दृष्टि बनाने का कुत्सित प्रयास किया गया। ऐसे शोध निष्कर्षों से भारतीय समाज के प्रति वैश्विक मानसिक अवधारणा में परिवर्तन आएगा। मंत्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति एवं प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों जल, सूर्य एवं वृक्ष आदि के संरक्षण के लिए कृतज्ञता के भाव से श्रद्धा रूप में परम्परा एवं मान्यता स्थापित की थीं।

मप्र बना नरवाई जलाने में देश का नंबर-1 राज्य, उज्जैन तीसरे और इंदौर पांचवें स्थान पर

भोपाल

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा जारी सीआरईएएमएस बुलेटिन के मुताबिक, मध्य प्रदेश देश का ऐसा राज्य बन गया है जहां नरवाई जलाने की घटनाएं सबसे अधिक दर्ज की गई हैं। 21 अप्रैल 2025 तक प्रदेश में 20,422 से ज्यादा बार गेहूं की पराली (नरवाई) जलाई जा चुकी है। यह डेटा सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग के जरिए तैयार किया गया है। विदिशा, जो केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का संसदीय क्षेत्र है, प्रदेश में सबसे ज्यादा नरवाई जलाने वाले जिलों में शीर्ष पर है। 1 से 21 अप्रैल के बीच ही 3181 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जो 2024 की तुलना में पाँच गुना अधिक हैं।

पिछले वर्षों में इस जिले की स्थिति कुछ बेहतर थी

2022: 2481 घटनाएं
2023: 941 घटनाएं
2024: 601 घटनाएं

मुख्यमंत्री मोहन यादव का गृह जिला उज्जैन, 21 अप्रैल तक 1606 घटनाओं के साथ तीसरे स्थान पर पहुँच गया है। ये संख्या 2024 की तुलना में तीन गुना अधिक है। वहीं, साफ-सुथरे शहर के तौर पर पहचाना जाने वाला इंदौर, नरवाई जलाने के मामलों में पाँचवे स्थान पर है। 2024 में जहाँ केवल 387 घटनाएं दर्ज हुई थीं, वहीं 2025 में 21 अप्रैल तक यह संख्या 1281 हो गई है।

प्रदूषण स्तर में लगातार बढ़ोतरी

इंदौर के देपालपुर और महू इलाकों में नरवाई जलाने की घटनाएं सबसे ज्यादा पाई गई हैं। रात में देपालपुर और दिन में महू में आगजनी होती है। इन घटनाओं का एयर क्वालिटी इंडेक्स पर सीधा असर पड़ा है। पूरे अप्रैल माह में एक भी दिन एक्यूआई स्तर 100 से नीचे नहीं आया।

प्रशासन की सख्ती और जुर्माना

इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत 13 किसानों पर एफआईआर दर्ज की गई है। इसके साथ ही ज़मीन की मात्रा के हिसाब से आर्थिक दंड निर्धारित किए गए हैं।

2 एकड़ तक: रुपए 2500 प्रति घटना
2 से 5 एकड़: रुपए 5000 प्रति घटना
5 एकड़ से अधिक: रुपए 15,000 प्रति घटना

क्यों जलाई जाती है नरवाई?

पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. डीके वाघेला के अनुसार, किसान गेहूं की कटाई के बाद जल्दी-जल्दी ग्रीष्मकालीन मूंग की बुवाई करना चाहते हैं। इस जल्दी के कारण वे खेत साफ करने के लिए नरवाई में आग लगा देते हैं। इसका असर हवा की गुणवत्ता और आसपास के स्वास्थ्य पर पड़ता है।

शहर कांग्रेस में दो क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोनित

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार शहर कांग्रेस कमेटी छिन्दवाड़ा में दो क्षेत्रीय अध्यक्ष मनोनीत किए गए हैं। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे व शहर कांग्रेस कमेटी के प्रभारी धर्मेन्द्र सोनू मागो की सहमति उपरांत व पश्चिम उप ब्लॉक प्रभारी आशीष चौधरी व अध्यक्ष तरूण कराड़े से चर्चा के पश्चात शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पप्पू यादव के द्वारा शहर कांग्रेस में दो क्षेत्रीय अध्यक्षन मनोनित किए गए हैं। लोनिया के वार्ड क्रमांक 45,40 व 47 के क्षेत्रीय अध्यक्ष अल्केश कोल्हे व वार्ड क्रमांक 39 व 41 में क्षेत्रीय अध्यक्ष तारकेश्वर काले (चिंटू) मनोनित किए गए हैं।

पेशंनरों ने वित्त सचिव के नाम सौंपा ज्ञापन

छिन्दवाड़ा। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन म.प्र.जिला शाखा छिन्दवाड़ा के अध्यक्ष मीर जाहिद अली एवं उपाध्यक्ष के.एस.सेंगर ने बताया कि वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन भोपाल (म.प्र.) के प्रांतीय अध्यक्ष एड.राजकुमार दुबे के आव्हान पर प्रदेश के सभी जिलो, तहसील, ब्लॉक में केन्द्र सरकार द्वारा पारित वित्त विधेयक में आठवें वेतनमान का लाभ 1 जनवरी 2025 के पहले सेवानिवृत्त पेशंनर को नहीं देने का अन्यायपूर्ण प्रावधान किया गया है। जो कि पेंशनरों के मौलिक अधिकारों का हनन हैं (सुप्रीम कोर्ट का निर्णय दिनांक 17/12/1982 शासन विरूद्ध डी.एस.नकारा) इसका हम सभी पेंशनर, मुख्य अभियंता संघ जिला छिन्दवाड़ा एवं अन्य पेंशनर्स संगठन पुरजोर विरोध करते है इस विधयेक पर पुर्नविचार कर सभी पेंशनरों को शामिल करने का अनुरोध करते है। एक नेशन,एक पेंशन, इस एक को सभी क्षेत्रों में लागू किये जाने पुन: अनुरोध करते है। इस ज्ञापन को सौंपते समय जिला अभियंता संघ जी.एन.भगत अपने पेशंनर्स साथियों के साथ उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति स्वीकृति में लापरवाही पर सात प्राचार्यों की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश

छिन्दवाड़ा। संभागायुक्त जबलपुर द्वारा जिले के सात संकुल प्राचार्यों की एक-एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोक दी गई है। यह कार्रवाई अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति स्वीकृति में लापरवाही बरतने पर की गई है। दरअसल, शासकीय और अशासकीय स्कूलों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति एमपी टास पोर्टल से स्वीकृत करने के निर्देश पहले ही दिए गए थे, लेकिन जिले के कुछ प्राचार्य इस कार्य में रुचि नहीं ले रहे थे। जांच में पाया गया कि सत्र 2022-23 में इनकी स्वीकृति दर 70 प्रतिशत से कम तथा सत्र 2023-24 में 60 प्रतिशत से कम रही। इस संबंध में कलेक्टर छिंदवाड़ा द्वारा पहले इन्हें नोटिस जारी किया गया था, परंतु उनके जवाब संतोषजनक नहीं पाए गए। इसके बाद कलेक्टर द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव संभागायुक्त जबलपुर को भेजा गया, जिस पर सहमति देते हुए संभागायुक्त ने संबंधित प्राचार्यों की वेतनवृद्धि रोकने का आदेश जारी किया। जिन अधिकारियों के विरुद्ध यह कार्रवाई हुई है, उनमें चंद्रशेखर दीक्षित, प्राचार्य शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय जुन्नारदेव; भगवानदास उइके, प्रभारी प्राचार्य बिसापुरकला अमरवाड़ा; बी.के. सनेर, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय तामिया; मनोज श्रीवास्तव, प्राचार्य बाम्हनवाड़ा जुन्नारदेव; राजेशसिंह कुशवाह, प्रभारी प्राचार्य चांवलपानी तामिया तथा बापूसंग शील्, प्राचार्य सिंगोडी अमरवाड़ा शामिल हैं। यह जानकारी अतिरिक्त कलेक्टर छिंदवाड़ा द्वारा दी गई है।

थोपे गए टैक्स के विरोध में नागरिक कर रहे हस्ताक्षर

छिन्दवाड़ा। भाजपा की सरकार चौतरफा टैक्स वसूली में जुटी है। करों में भारी वृद्धि कर जनता की खून, पसीने की कमाई टैक्स के नाम पर लूटी जा रही। भाजपा के द्वारा जनता पर थोपे गए कर के विरोध में शहर कांग्रेस व कांग्रेस पार्षद दल का महा हस्ताक्षर अभियान निरंतर शहर के विभिन्न वार्डों में जारी है।जनता का समर्थन जुटाने नगर में चलाए जा रहे महा हस्ताक्षर अभियान के जारी क्रम में आज कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने जनता पर थोपे गए संपत्ति कर, जल कर, स्वच्छता कर सहित भाजपा के जनविरोधी मुद्दे को लेकर हस्ताक्षर अभियान नगर के वार्ड क्रमांक 32 एवं 25 बरारीपुरा में चलाया गया। क्षेत्र की जागरूक जनता ने घरों से निकलकर महा हस्ताक्षर अभियान का खुलकर समर्थन किया साथ ही हस्ताक्षर कर भाजपा सरकार के द्वारा लगाए गए टैक्स की खिलाफत भी की।

युवाओं को संस्कृति से जोड़ने का माध्यम बन रही भागवतः सांसद

छिंदवाड़ा। युवा पीढी को धर्म और संस्कृति से जोडे रखने का माध्यम भागवत बन रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिंदुत्व मजबूत हुआ है, पांच सौ सालों के इंतजार के बाद अयोध्या में राम मंदिर बना, काशी में भोलेनाथ का मंदिर बना, यह बात मंगलीबाजार वार्ड क्रमांक 21 में आयोजित भागवत कथा में पहुँचे सांसद बंटी विवेक साहू ने श्रध्दालुओं के बीच कही।

किसानों एवं डूब प्रभावित गांवों के लिए मुख्यमंत्री से मिले सांसद

● प्रभावित क्षेत्र के लिए मांगा स्पेशल पैकेज ● सिंचाई कॉम्पलेक्स परियोजना के निर्माण में तेजी आए

छिंदवाड़ा। सांसद बंटी विवेक साहू ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से मुलाकात करते हुए छिन्दवाडा सिंचाई काम्पलेक्स परियोजना के निर्माण कार्य की प्रगति के लिये स्पेशल पैकेज की मांग एवं मोहगांव जलाशय के अंतर्गत किसानों को हो रही परेशानियों एवं उनकी मांगों को लेकर चर्चा की।

सांसद श्री साहू ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से मुलाकात के दौरान उन्हें बताया कि संसदीय क्षेत्र छिंदवाड़ा-पांढुर्णा के अंतर्गत बहुउद्देशीय परियोजना छिंदवाड़ा सिंचाई कॉम्प्लेक्स परियोजना की स्वीकृति प्राप्त है। इस योजना की जल भराव क्षमता 651.33 मि.घ.मी. है, जिससे छिंदवाड़ा, जुन्नारदेव, मोहखेड़, बिछुआ, चौरई, उमरेठ, सौंसर एवं पांढुर्णा विकासखण्डों की 190500 हेक्टेयर सिंचाई प्रस्तावित है। इस परियोजना से सिंचाई के अतिरिक्त समीपवर्ती क्षेत्रों के पीने के पानी की समस्या हेतु पेयजल, औद्योगिक उपयोग एवं विद्युत उत्पादन हेतु जल सुरक्षित रखने का प्रावधान है। उन्होंने मुख्यमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री को बताया कि इस योजना में कुछ बाधाएं आ रही है, जिसे शासन स्तर पर हल किया जा सकता है। जिसके अंतर्गत परियोजना में पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन प्रस्तावित है जिसके लिए स्पेशल पैकेज की स्वीकृति शासन स्तर से लंबित है। परियोजना से वन भूमि प्रभावित हो रही है जिसके लिए छिंदवाडा एवं पांढुर्णा जिले के अलावा अन्य जिलों से भी गैर वन भूमि की आवश्यकता पड़ेगी। वन विभाग छिन्दवाडा की भूमि के बदले अन्य जिलों की भूमि को वनों के लिये आवंटित किया जाना प्रस्तावित है।

सांसद श्री साहू ने मुख्यमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री से मांग की है कि इस बहुउद्देशीय योजना के लिए विशेष भू-अर्जन एवं पुनर्वास अनुदान पैकेज की स्वीकृति मध्यप्रदेश शासन से प्रदान करने तथा अन्य जिलों से गैर वनभूमि उपलब्ध कराने हेतु प्रदेश के अन्य जिलों के जिलाध्यक्षों को निर्देशित करने का कष्ट करें जिससे की उक्त भूमि प्राप्त होने पर वन प्रकरण की स्वीकृति हो सके।

मोहगांव जलाशय के मुद्दों पर की चर्चा

सांसद श्री साहू ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट से मुलाकात के दौरान बताया कि पांढुर्णा जिले के अंतर्गत मोहगांव जलाशय के क्षेत्र में आ रहे किसानों को भी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसे लेकर पिछले दिनों किसानों ने उनसे मुलाकात की थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि कुछ किसानों की संपत्ति का अवार्ड एवं मुआवजा प्रकरण तैयार नहीं किए गये है। 109 किसानों द्वारा आवेदन दिए गये है जिसका निराकरण लंबित है। भूखंड आवंटन के बदले नकद राशि लेने वाले किसानों को 50 हजार की राशि मिलना बाकी है। 65 किसानों के प्रकरण सौंसर न्यायालय में विचाराधीन है।

सिवनी जिले को पानी दिया ठीक किया पर यह परंपरा कतई न बने

जलसंसाधन विभाग की लापरवाही का खामियाजा जनता को न भुगतना पड़े माचागोरा से पानी छोड़ने पर कांग्रेस ने सांसद को घेरा

छिन्दवाड़ा। राजीव कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सिवनी जल संसाधन विभाग की लापरवाही का खामियाजा जनता को भुगतना ना पड़े। संजय सरोवर (भीमगढ़ जलाशय) में पानी की कमी बताकर चौरई के माचागोरा जलाशय से 35 एमसीएम पानी सिवनी जिले के भीमगढ़ जलाशय के लिए छोड़ा जा रहा है। पेयजल हेतु सिवनी जिले को पानी दिया ठीक बात, किन्तु यह परम्परा ना बनें। स्थानीय स्तर पर ही पेयजल के स्थाई स्रोत खोजे जाएं इस पर भाजपा के जनप्रतिनिधियों को ध्यान देना चाहिए। आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए चौरई विधायक सुजीत चौधरी ने कहा कि बालाघाट संसदीय क्षेत्र के भाजपा सांसद व अन्य भाजपा जनप्रतिनिधियों के दबाव में आकर सिवनी जल संसाधन विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने सिंचाई के लिए बालाघाट को अत्याधिक पानी की सप्लाई दी। ग्रीष्मकाल में पेयजल हेतु पानी का संग्रहण नहीं रखा। परिणाम स्वरूप सिवनी की जनता को पेयजल के लिए भटकना व परेशान होना पड़ रहा है। जनता के लिए पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है इसका विरोध नहीं है, किन्तु यह परम्परा न बनें क्योंकि भविष्य में माचागोरा जलाशय से छिन्दवाड़ा जिले के 711 गांव में पेयजल की आपूर्ति की जानी है साथ ही एक निश्चित मात्रा का पानी संकटकाल के लिए रखा जाता है वह भी माचागोरा जलाशय में शेष रहना चाहिए, भाजपा सांसद से यह अपेक्षा है कि उन्होंने जिस गति से सिवनी जिले को पानी देने के लिए वॉल्व खोला उसी गति से इन परियोजनाओं को भी पूरा करें।

छिन्दवाड़ा की जमीन गई, किसान परेशान

आयोजित पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गंगाप्रसाद तिवारी ने कहा कि सिवनी जिले में पेयजल संकट का हवाला देकर माचागोरा से पानी छोड़ा गया। पीने के लिए पानी दिया इसका कोई विरोध नहीं है, किन्तु ऐसी स्थिति क्यों निर्मित हुई इस पर वहां के भाजपा नेताओं व भाजपा सरकार को मंथन करना चाहिए।

ब्लॉक कांग्रेस की चेतावनी

चौरई विधानसभा प्रभारी अशोक तिवारी, विधायक सुजीत चौधरी व चौरई ब्लॉक अध्यक्ष तीरथ ठाकुर ने चेतावनी दी है कि पेंच परियोजना की सम्पूर्ण माइक्रो एरिगेशन परियोजनाएं अविलम्ब प्रारंभ नहीं हुई तो चौरई ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उग्र आंदोलन करेगी जिसकी जिम्मेदार भाजपा की सरकार व शासन प्रशासन होगा। आयोजित पत्रकार वार्ता में मनीष पाण्डेय, पप्पू यादव प्रवक्ता नितिन उपाध्याय उपस्थित थे।

जनसुनवाई में नोटों के बंडल और पत्नी के गहने सूटकेस में भरकर पहुंचा रिटायर्ड फौजी

रीवा। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में उस समय हंगामा हो गया, जब एक रिटायर्ड फौजी सूटकेस में पत्नी के गहने और लाखों रुपए कैश लेकर पहुंचा गया। यह रिटायर्ड फौजी अपनी फरियाद लेकर अनोखे अंदाज मे प्रदर्शन करते हुए कलक्ट्रेट कार्यालय पहुंचा, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। उसके हाथों मे नारियल और फूल थे, जबकि गले में रिश्वत के बजट वाला सूटकेस लटका था। उसका कहना था कि वो ये रुपए और गहने अधिकारियों को रिश्वत देने के लिए लाया है। उसने आरोप लगाया है कि उसकी पुश्तैनी जमीन को अधिकारियों ने सरकारी घोषित कर दिया, जबकि जमीन के सारे कागजात उसके पास मौजूद हैं। पीड़ित फौजी का आरोप था कि उसकी पुश्तैनी जमीन पर गांव के दबंगो ने किसानी नहीं करने दी और बाद में अधिकारियों ने उसकी इस जमीन को शासकीय बना दिया। फरियाद करने गया तो शासकीय अधिकारी बिना रिश्वत के सुनवाई नहीं करते। इस कारण उसे रिश्वत का सूटकेस लेकर उसे कलेक्टर कार्यालय आना पड़ा।

योगेश कुमार तिवारी जिले की त्योंथर तहसील क्षेत्र के मलपार गांव के निवासी हैं। उन्होंने भारतीय सेना में रहकर 21 साल 4 महीने देश की सेवा की। बीते 1 साल पहले ही वे रिटायर हुए हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले की वे कई बार शिकायत कर चुके है। लेकिन त्योंथर तहसील में बैठे अधिकारी और कर्मचारी उससे हमेशा रिश्वत की मांग करते हैं। लगातार रिश्वत की मांग से तंग आकर वह

अपने पत्नी के गहने और कैश लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचा है। वह अधिकारियों से मांग कर रहा है कि उससे रिश्वत ले लें, लेकिन उसकी जमीन वापस दिला दें। वे पिछले साल ही रिटायर्ड हुए है, पर 10 साल से वे अपनी ही पुश्तैनी जमीन के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। पहले तो गांव के दबंगो ने उन्हें अपनी ज़मीन पर खेती नहीं करने दी और अब उनकी पुश्तैनी जमीन को शासकीय बना दिया गया। इसकी शिकायत तहसील स्तर से लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय तक कई बार की गई मगर अब तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

सेना से रिटायर फौजी का आरोप है कि गांव के ही दबंग विद्याधर शुक्ला अपराधिक प्रवृत्ति के हैं। उन्होंने ही निजी फायदे के लिए अधिकरियों से सांठगांठ की, जिसके बाद उनकी पुश्तैनी जमीन को शासकीय बना दी गई। कई बार अधिकारियों से शिकायत की, मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित की कलेक्टर से मांग है कि त्योंथर तहसील के अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारियों की टीम गठित कर मामले की जांच कराई जाए और जमीन की नपती करवाकर मामले का निपटारा कराया जाए। युवक के इस कदम से कलेक्ट्रेट में हड़कंप मच गया। रीवा के कलेक्ट्रेट भवन में उसे देखकर हड़कंप मच गया। उसका कहना था कि वह कलेक्टर से मिलने से आया है। उस समय कार्यालय में कलेक्टर के मौजूद न होने की वजह से वह उनसे नहीं मिल सका। दूसरी ओर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने इस मामले को लेकर कहा कि उनकी जो भी शिकायत है, उसकी सुनवाई करने के बाद ही कोई एक्शन लिया जाएगा। अगर उनको कोई आपत्ति है, तो वे आगे कार्रवाई के लिए आवेदन दे सकते हैं।

चीफ ऑफ द आर्मी स्टाफ ने सौसर के प्रदीप कलसकर को किया सम्मानित

छिंदवाड़ा। वेटेरन प्रदीप कलसकर द्वारा राष्ट्र प्रथम के साथ साथ सामाजिक क्षेत्र में लगातार अपने सेवाकार्य को निरन्तर सार्थकता कर्तव्य निष्ठा से निर्वाह करते हुए अपने ज़िले के सैनिकों, पूर्व सैनिकों के लिए उत्तम उदाहरण प्रस्तुत किया गया, पूर्व सैनिकों की विधवाओं और जरूरतमंद जनता के लिए हमेशा सकारात्मक रूप से कार्य करने के लिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 21 कोर हैडक्वाटर में आयोजन में प्रदेश के चुनिंदा 5 पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया था। इसमें हमारे सौसर के प्रदीप कलसकर का नाम था, यह हमारे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है, इनके अच्छे कामों के लिए इन्हें *वेटरन अचीवर्स अवार्ड* से सम्मानित किया गया।

गुजरात के सीमावर्ती 3 जिलों में शराब का ठेका 400 करोड़ के क्यों?

आदिवासी क्षेत्रों में महुआ छोड़कर सभी शराब बंद हो

भोपाल। प्रदेश में एक बार फिर शराब पर सियासत शुरू हो गई। कांग्रेस ने प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में महुआ छोड़कर हर तरह की शराब को बंद करने की मांग की। आरोप है कि सरकार ने आदिवासी इलाकों को शराब का गढ़ बना दिया। जिससे प्रदेश में आने वाली पीढियां खराब हो रही है। आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधायक डॉ विक्रांत भूरिया ने बताया कि आदिवासी क्षेत्रों में डी-3 मुहिम चल रही है, जिसका मतलब है दहेज, दारू और डीजे के खिलाफ अभियान। इसके अच्छेपरिणाम सामने आ रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि धार कलेक्टर का लेटर है कि नकली होलोग्राम से शराब का कारोबार हो रहा है। जब शराब पकड़ी जाती है, तो कार्रवाई ड्राइवर पर होती है। ठेकेदारों, मालिक पर एक्शन नहीं होता। उन्होंने कहा कि यह धार्मिक स्थलों पर शराबंदी की बात करते हैं, पर आदिवासी क्षेत्रों को शराब का अड्डा बना दिया गया। उन्होंने मध्यप्रदेश में शराबबंदी की मांग की है। विक्रांत ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में महुआ की शराब को छोड़कर हर तरह की शराब बंद हो। क्योंकि, महुआ शराब पूजा पाठ में उपयोग होती है। उन्होंने आगे कहा कि झाबुआ-अलीराजपुर में शराब का ठेका 400 करोड़ का है। गरीब जिले में इतना मंहगा ठेका कैसे हो रहा है? अगर इतना महंगा ठेका हो रहा है तो हर आदमी क्या एक लाख की शराब पी रहा है! मध्यप्रदेश में हालत लगातार बिगड़ रहे हैं, गरीब पिस रहा है। शराब की खेप गुजरात तक जा रही है, जो ड्राय स्टेट है। प्रदेश सरकार जनता, आदिवासियों का शोषण करने वालों के साथ है। जोबट में एक करोड़ की शराब पकड़ी गई है।

विक्रांत भूरिया ने कहा कि धार कलेक्टर का लेटर है, जिसमें उन्होंने खुद ये बात लिखी कि नकली होलोग्राम से शराब का कारोबार हो रहा है। जब अवैध शराब पकड़ी जाती है तो परिवहन करने वाले वाहन के ड्राइवर पर कार्रवाई होती है। लेकिन, ठेकेदारों और उस शराब के असली मालिक पर एक्शन नहीं होता। शराब की खेप गुजरात तक जा रही है जो ड्राय स्टेट है। यानी गुजरात में शराब बंदी लागू है, लेकिन शराब की अवैध सप्लाई मप्र से जा रही है। सरकार आदिवासियों का शोषण करने वालों का साथ दे रही है।

26/11 शहीद कांस्टेबल अंबादास पवार की पत्नी कल्पना पवार बनीं डिप्टी एसपी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में शहीद हुए पुलिस कांस्टेबल अंबादास पवार की पत्नी कल्पना पवार को प्रोबेशनरी डिप्टी एसपी (उप पुलिस अधीक्षक) के पद पर नियुक्त किया है। यह महत्वपूर्ण निर्णय मंगलवार को लिया गया, और नियुक्ति का आदेश स्वयं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जारी किया। इस नियुक्ति के लिए कल्पना पवार ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह आम लोगों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य करेंगी। कल्पना पवार ने अपनी नियुक्ति पर भावुक होते हुए कहा,मेरे पति की तरह मुझे भी अब लोगों की सेवा करने का अवसर मिला है। मेरी नियुक्ति यह साबित करती है कि यह सरकार किसानों, मजदूरों, महिलाओं और देश के लिए बलिदान देने वालों की है।

सिंहस्थ के लिए इंदौर में बनेंगे विशाल होल्डिंग जोन, एक ही स्थान पर रुक सकेंगे 50 हजार श्रद्धालु

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 के दौरान उज्जैन में संभावित भीड़ को देखते हुए इंदौर में होल्डिंग जोन बनाने की तैयारी तेज हो गई है। यहां हजारों श्रद्धालुओं के ठहरने, सुरक्षा और ट्रैफिक नियंत्रण के लिए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। कई प्रस्तावों को प्रशासनिक मंजूरी मिल चुकी है और कार्य जल्द शुरू होगा। सिंहस्थ 2028 को लेकर उज्जैन में अनुमानित भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। खासकर इंदौर में ÷होल्डिंग जोन÷ बनाए जाने की योजना पर तेजी से काम हो रहा है। उद्देश्य है कि जब उज्जैन में भीड़ अपनी सीमा पार कर जाए, तो श्रद्धालुओं को इंदौर में ही रोककर ठहराया जा सके। प्रशासन ने इंदौर के विभिन्न इलाकों में ऐसे स्थान चिन्हित किए हैं, जहां 50 हजार से ज्यादा लोगों को एक-दो दिन तक ठहराया जा

सके। लवकुश चौराहा, रिंग रोड पर रोबोट चौराहा, मांगलिया और तेजाजी नगर जैसे क्षेत्रों में जमीन की मांग की गई है। इन होल्डिंग एरिया में विश्राम स्थल, बैठने के लिए कुर्सियां, पेयजल, पंखे, कूलर, शौचालय आदि सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

सुरक्षा और ट्रैफिक के लिए विशेष व्यवस्था- पुलिस विभाग ने सुरक्षा और यातायात नियंत्रण के लिए व्यापक योजना प्रस्तुत की है। इसमें सात हाई-वे चौकियां, रिंग रोड व बायपास पर ट्रैफिक सहायता केंद्र, और एक इंट्रीगेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव शामिल है। यह सेंटर लवकुश चौराहा के पास करीब 7 एकड़ जमीन पर स्थापित किया जाएगा, जहां से पुलिस, प्रशासन और नगर निगम मिलकर निगरानी करेंगे।

सांवेर रोड आएगा सीसीटीवी की निगरानी में

पूरे सांवेर रोड को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में लाने की योजना है। वहीं, महालक्ष्मी नगर, सुपर कॉरिडोर और धार रोड पर अस्थाई थानों की स्थापना की मांग रखी गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्यवाही की जा सके। सिंहस्थ के दौरान भीड़ नियंत्रण के लिए करीब 2 हजार अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की आवश्यकता जताई गई है। इसके साथ ही 20 जीप, 20 बसें और ट्रकों की भी मांग की गई है, जिससे बल और जरूरी सामग्री को सुगमता से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा सके। रास्ते में खराब हुए वाहनों को हटाने के लिए 5 बड़ी क्रेनों की व्यवस्था भी प्रस्तावित है।

बैठकों में मिल रही स्वीकृति

उज्जैन में हुई प्रशासनिक बैठकों में कई प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। इंदौर के एडिशनल कमिश्नर मनोज श्रीवास्तव के अनुसार, जमीन चिन्हित करने की प्रक्रिया जारी है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

विश्व पृथ्वी दिवस पर....

स्कूली बच्चों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा, चित्रकला और क्विज के जरिए दिया जागरूकता का संदेश

छिन्दवाड़ा। जिले के कैलाश नगर स्थित पीएम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिन्दवाड़ा में आज 22 अप्रैल 2025 को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर वन विभाग द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रीमान वन संरक्षक महोदय श्री मधु व्ही राज सर के निर्देशानुसार, वनमण्डलाधिकारी पूर्व छिंदवाड़ा श्री एल.के.वासनिक के मार्गदर्शन में एवं जिला शिक्षा अधिकारी जी.एस.बघेल के समन्वय से आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपवनमंडलाधिकारी भारत सोलंकी, विद्यालय की प्राचार्य मनीषा मिश्रा, समस्त शिक्षकगण तथा वन परिक्षेत्र छिंदवाड़ा के स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, भाषण तथा कविता पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पृथ्वी दिवस मनाने के उद्देश्यों, इसके इतिहास, पर्यावरण संरक्षण के उपायों तथा उन गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई जो पृथ्वी को नुकसान पहुंचाती हैं। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।

पृथ्वी दिवस पर पौधे का रोपण किया

जिले अंतरराष्ट्रीय विश्व पृथ्वी दिवस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कार्यालय, माधव स्मृति न्यास छिंदवाड़ा में शमी के पौधे का रोपण किया गया इस अवसर पर जिला स्वयंसेवक संघ विभाग के प्रमुख लखन एवं महाकौशल प्रांत संयोजक रामकृष्ण के द्वारा जिला संघ कार्यालय में शमी के पौधे का रोपण किया। अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में छिन्दवाड़ा नगर निगम रामडोह नाला सोनपुर, बोरिया (रामढोह नाला) उत्थान हेतु जल संरक्षण करने के लिए चलाया गया नाले के सौंदरीकरण हेतु जनसंपर्क अभियान जिसमें पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के प्रांत संयोजक विभाग संयोजक जिला सहसंयोजक सहित पर्यावरण के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता दिगंबर, वृक्ष मित्र रविंद्र सिंह, जैव विविधता दूत मोहन एवं गायत्री परिवार के सदस्य उपस्थित रहे ।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में भड़की सांप्रदायिक हिंसा, हर चुनाव के वक्त बन जाती है ऐसी स्थिति

पश्चिम बंगाल में अक्सर कानून व्यवस्था के मसले सियासी बयानबाजियों में उलझा दिए जाते हैं, जिसका नतीजा होता है कि न तो प्रशासन उनसे कोई सबक लेता है और न उसकी जवाबदेही पर आमजन के सवालों के जवाब मिल पाते हैं। मुर्शिदाबाद में भड़की सांप्रदायिक हिंसा का हश्र भी वही होता नजर आ रहा है। इस मसले पर विपक्षी भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ने में जुट गई हैं। वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में वहां आंदोलन शुरू हुआ और बीते शुक्रवार को इसने अचानक हिंसक रुख अख्तियार कर लिया। उसमें तीन लोग मारे गए और कई लोगों के घायल होने की सूचना है। घरों-दुकानों और पुलिस वाहनों में तोड़-फोड़ तथा आगजनी की गई। जब स्थिति पर काबू पाना मुश्किल हो गया तो सीमा सुरक्षा बल को बुलाया गया। फिर भी हालात बेकाबू रहे तो बीएसएफ और अन्य सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात कर दी गईं। स्थिति इस कदर खौफनाक हो गई कि सैकड़ों लोग अपना घर-बार छोड़ कर निकटवर्ती जिले में सुरक्षित जगहों पर पलायन कर गए। भाजपा का आरोप है कि यह हिंसा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान की वजह से भड़की। वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि हिंसा करने वाले लोग बाहर से लाए गए थे। हालांकि फिलहाल स्थिति सामान्य होती बताई जा रही है। प्रशासन का दावा है कि हिंसा करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। कुछ लोगों को इस सिलसिले में गिरफ्तार भी किया जा चुका है। मगर यह सवाल अपनी जगह है कि क्या पश्चिम बंगाल सरकार और प्रशासन को इस बात का अंदाजा नहीं था कि मुर्शिदाबाद और उसके आसपास के इलाकों में ऐसी स्थिति बन सकती है। खुद मुख्यमंत्री ने ऐलान किया था कि वे पश्चिम बंगाल में वक्फ संशोधन अधिनियम लागू नहीं होने देंगी। उन्हें इसके विरोध में उभरने वाले आंदोलन की भी पूरी जानकारी थी। फिर, उन्हें यह अंदाजा कैसे नहीं था कि इसमें दो समुदायों के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है। अगर वे कह रही हैं कि हिंसा करने वाले बाहर से लाए गए थे, तो हैरानी की बात है कि इसकी जानकारी वहां के खुफिया तंत्र को कैसे नहीं मिल सकी। इतनी बड़ी संख्या में लोग वहां बाहर से पहुंच गए और कैसे सुरक्षाबलों को इसकी भनक नहीं मिल पाई। इस तर्क के आधार पर सरकार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती। अनेक मौकों पर, सियासी आवेश में, दो राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को परस्पर भिड़ते देखा गया है। हर चुनाव के वक्त वहां ऐसी स्थिति बन जाती है, सामान्य आंदोलनों के समय भी इसकी आशंका बनी रहती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में हिंसा कुछ इस कदर घुल-मिल गई है कि हर राजनीतिक दल मौका मिलते ही अपने कार्यकर्ताओं को जोर-आजमाइश के लिए ललकारता देखा जाता है। यह भी छिपी बात नहीं है कि वहां उपद्रवी तत्त्वों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। हर सत्तारूढ़ दल परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से अपने कार्यकर्ताओं को लाभ पहुंचाने और कानूनी शिकंजे से दूर रखने का भरोसा देता नजर आता है। वक्फ संशोधन कानून के पक्ष और विपक्ष में किस कदर राजनीतिक रस्साकशी का माहौल है, वह किसी से छिपा नहीं है। फिर पश्चिम बंगाल सरकार ऐसी किसी स्थिति से बेखबर कैसे थी और उसने हिंसा रोकने की पहले से तैयारी क्यों नहीं की थी!

अदालतों से फटकार खाकर भी नहीं सुधर रही देश की पुलिस

-योगेंद्र योगी

नेताओं की हाथों की कठपुतली बनी पुलिस प्रणाली देश के आम लोगों का विश्वास जीतने में पूरी तरह नाकाम रही है। पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारुढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधिनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस की ओर से दीवानी मामलों में दर्ज की गई प्राथमिकियों पर गौर करने से पता चलता है कि राज्य में कानून का शासन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है।

पुलिस के कुकृत्यों सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं है, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडने् के बजाए कई मामलों खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। मोगा सेक्स स्कैंडल साल 2007 में सुर्खियों में आया। उस समय पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार थी। इस स्कैंडल में कई हाई प्रोफाइल राजनेता और सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल थे। ये सब मिलकर अमीर लोगों को देह व्यापार में फंसाते थे। पुलिस की कारगुजारियों का पर्दाफाश सुप्रीम कोर्ट ने एक मृत्युदंड के मामले में भी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोप में निचली अदालत से मौत की सजा प्राप्त एक युवक को बरी करते हुए पुलिस प्रक्रिया पर तीखी टिप्पणियां की।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सभी फोरेंसिक और गवाहों की रिपोर्टों की बारीकी से समीक्षा की और पाया कि आरोपी के खिलाफ कोई विश्वसनीय सबूत नहीं था। इस तरह एक निर्दोष व्यक्ति ने 10 साल फांसी की सजा के साए में जेल में बिताए, जबकि पुलिस और न्यायिक व्यवस्था की नाकामी साफ नजर् आई। सुप्रीम कोर्ट पुलिस और सत्तारुढ़ दलों के नापाक गठजोड़ को कई बार उजागर कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रहे एनवी रमना ने एक मामले में कहा था कि देखा जा रहा है कि पुलिस के अधिकारी सत्ता में मौजूद राजनीतिक पार्टी का फेवर करते हैं और सत्ता पक्ष के विरोधियों के खिलाफ कार्यवाही करते हैं। बात यहीं खत्म नहीं होती जब विरोधी पक्ष के लोग सत्ता में आते हैं तो उन्हीं पुलिस अफसरों पर कार्यवाही करते हैं। देश में इस तरह का जो ट्रेंड दिख रहा है वह काफी परेशान करने वाला है। मुख्य न्यायाधीश रमना ने कहा था कि इसके लिए पुलिस विभाग को ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। पुलिस को चाहिए कि वह कानून के शासन पर टिके रहें। वह सत्ता और विपक्ष किसी के साथ न होकर स्वतंत्र रूप से काम करें। सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणी छत्तीसगढ़ के निलंबित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की थी। पाल के खिलाफ पुलिस ने सत्तारुढ दल के इशारे पर आय से अधिक सम्पत्ति और राजद्रोह का मामला दर्ज किया था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कोलकाता चिकित्सक के बलात्कार-हत्याकांड की सुनवाई के दौरान कहा था कि कोलकाता पुलिस ने इस मामले को जिस तरह से संभाला, वह कुछ ऐसा है जो उन्होंने अपने जीवन के 30 वर्षों में नहीं देखा। शीर्ष अदालत ने अप्राकृतिक मौत के मामले के पंजीकरण में देरी की आलोचना की। पुलिस की मौजूदा कार्यप्रणाली को लेकर देश में कई सुधार करने के प्रयास हुए हैं, किन्तु सत्तारुढ़ दलों के नेताओं ने ऐसे प्रयासों को नाकाम करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। स्वतंत्रता के बाद से ही, इस व्यवस्था में सुधार की मांग उठती रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार, अकुशलता और जनता में अविश्वास का कारण बनी हुई है। पुलिस सुधारों के लिए कई आयोगों और समितियों का गठन किया गया। राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और वर्ष 1971 में बनी गोर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशें धूल खा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी वर्ष 2006 में प्रकाश सिंह मामले में पुलिस सुधारों पर कई निर्देश दिए।

जिनमें यह भी शामिल था कि राज्य पुलिस प्रमुखों का दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल होगा। निर्देशों में राज्य सुरक्षा आयोगों की स्थापना, वरिष्ठ अधिकारियों के लिये निश्चित कार्यकाल और कानून एवं व्यवस्था से जाँच को अलग करना शामिल था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की भी राज्यों ने पालना नहीं की। इसे देश के सभी राज्यों ने या तो लागू नहीं किया या फिर निर्देशों को आधे-अधूरे तरीके से लागू किया गया ताकि पुलिस में सत्तारुढ़ दलों का हस्तक्षेप पूरी तरह से बना रह सके। इन सिफारिशों को लागू नहीं करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। दिल्ली की वर्ष 2019 की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 72 प्रतिशत पुलिस अधिकारियों ने मामलों की जाँच करते समय राजनीतिक दबाव का अनुभव किया है। पुलिस प्रायः अत्यधिक बल का प्रयोग करती है, विशेषकर विरोध प्रदर्शनों और नागरिक अशांति से निपटने में। अप्रैल, 2017 से मार्च, 2022 तक पिछले पाँच वर्षों में देश भर में पुलिस हिरासत में मौत के कुल 669 मामले दर्ज किये गए। इसके अलावा, भारत में अपराध विज्ञान के क्षेत्र में इतने सारे अवसर होने के बावजूद, प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर केवल 0.33 फोरेंसिक वैज्ञानिक हैं, जबकि विदेशों में प्रति 0.1 मिलियन जनसंख्या पर 20 से 50 वैज्ञानिक हैं। पुलिस अधिकारियों का अपर्याप्त प्रशिक्षण इस मुद्दे को और भी गंभीर बना देता है।

एक रिपोर्ट में पाया गया कि देश में 11 राज्य पुलिस कर्मियों के लिये केवल एक कंप्यूटर/लैपटॉप था, जबकि कुछ बड़े राज्यों में वर्ष 2022 में 30 या उससे अधिक कर्मियों के लिये केवल एक प्रणाली थी। केंद्र सरकार द्वारा महिलाओं की संख्या बढ़ाने के लगातार प्रयासों के बावजूद देश में पुलिस बलों में केवल 11.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। प्रतिनिधित्व की यह कमी महिलाओं को अपराधों की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करती है और लिंग आधारित हिंसा के मामलों को ठीक से नहीं निपटा पाती। पुलिस अधिकारी कानून प्रवर्तन से लेकर चुनाव ड्यूटी तक अनेक भूमिकाएँ निभाते हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त आराम या उचित पारिश्रमिक नहीं मिलता। कम वेतन से व्यावसायिकता हतोत्साहित होती है और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ती है, जिससे जनता का विश्वास प्रभावित होता है।

भारत-अमेरिका संबंधों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं पहली हिंदू सेकेंड लेडी उषा वेंस

-विनोद पाठक

अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी आत्मकथा हिलबिली एलिजी - ए मैमोरी ऑफ ए फैमिली एंड कल्चर इन क्राइसिस में पत्नी उषा वेंस को अपनी आध्यात्मिक मार्गदर्शिका बताया। यह तो सभी जानते हैं कि उषा वेंस की जड़ें भारत से जुड़ी हैं, लेकिन उनके व्यक्तित्व के विषय में बहुत अधिक जानकारी भारतीयों को नहीं है।

अमेरिका की सेकंड लेडी उषा वेंस इन दिनों अपने पति और तीनों बच्चों के साथ भारत दौरे पर हैं। उषा एक सफल वकील हैं और हिंदू महिला के रूप में पहली अमेरिकन सेकंड लेडी भी बनी हैं। उनकी भारतीय संस्कृति में गहरी आस्था है और वो हिंदू रीति-रिवाज को मानती हैं।

उषा वेंस का परिवार मूलरूप से आंध्र प्रदेश का रहने वाला है। उनके पिता कृष्णा चिलुकुरी आईआईटी मद्रास से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद 1980 के दशक में अमेरिका चले गए थे। जहां वो सैन डिएगो स्टेट यूनिवर्सिटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर हो गए। उनकी मां लक्ष्मी चिलुकुरी भी मॉलिक्यूलर बॉयोलॉजी की प्रोफेसर रही हैं।

उषा के दादा राम शास्त्री चिलुकुरी आईआईटी मद्रास में भौतिक विज्ञान के पहले विभागाध्यक्ष रहे हैं। उनके नाम से आईआईटी मद्रास में छात्र पुरस्कार दिया जाता है। उषा वेंस के ब्राह्मण परिवार की जड़ें आंध्र प्रदेश के वड्डुरु गांव से जुड़ी हैं, जहां उनके पूर्वज संस्कृत के विद्वान थे।

उषा वेंस की दादी चिलुकुरी संथम्मा आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम के निजी विश्वविद्यालय में फिजिक्स पढ़ा चुकी हैं और उन्होंने भगवत गीता की अंग्रेजी व्याख्या लिखी है। उषा वेंस का पूरा परिवार भारतीय संस्कृति और शिक्षा के प्रति गहरी श्रद्धा रखता है।

6 जनवरी 1986 को कैलिफोर्निया के सैन डिएगो काउंटी में जन्मी उषा वेंस ने इतिहास में स्नातक और दर्शनशास्त्र में एम.फिल किया है। उन्होंने येल लॉ कॉलेज से कानून की डिग्री प्राप्त की। उषा ने येल-चाइना टीचिंग फेलो के रूप में चीन के ग्वांगझू में सन येत सेन यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी और अमेरिकी इतिहास पढ़ाया है। उषा की जेडी वेंस से मुलाकात येल लॉ स्कूल में हुई थी और दोनों ने वर्ष 2014 में भारतीय परंपराओं के अनुसार हिंदू रीति-रिवाजों से शादी की। उनके तीन बच्चे दो बेटे इवान और विवेक व बेटी मीराबेल रोज है। जेडी वेंस के उप राष्ट्रपति बनने के सफर में उषा का बहुत बड़ा योगदान है। वर्ष 2024 के रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में उषा ने ही पति का परिचय दिया था और उनके कठिन बचपन तथा संघर्षों के विषय में बताया था। अपने पति के राजनीतिक करियर में उषा ने न केवल व्यक्तिगत, बल्कि मानसिक समर्थन भी दिया है। सार्वजनिक मंचों पर जेडी वेंस के अभियानों को मजबूती दी है। उषा वेंस का फैशन सेंस भी दुनियाभर में चर्चा का विषय रहा है। उषा को उनके परिष्कृत और आत्मविश्वास से भरे लुक के लिए सराहा जाता है। एक समारोह में उन्होंने गुलाबी रंग की कोट ड्रेस पहनी थी, जो सोशल मीडिया और मीडिया में चर्चा का विषय बना था। भारत-अमेरिका संबंधों में उषा वेंस एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। वो भारतीय संस्कारों और हिंदू रीति-रिवाज को मानती हैं। शाकाहारी उषा वेंस की प्रेरणा से जेडी वेंस भी शाकाहार को अपनाने की ओर बढ़ चले हैं। भारत की बेटी उषा वेंस पर सभी भारतीयों को गर्व है। भारत के पक्ष को उषा वेंस अमेरिका में मजबूती से रखेंगी, यही उम्मीद सभी भारतीय करते हैं।

राष्ट्र निर्माण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अनमोल योगदान

हालांकि देश की आज़ादी के संघर्ष के दौर से लेकर आज़ाद भारत तक में भी चंद राजनेताओं के क्षणिक राजनैतिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे हुए स्वयंसेवक हमेशा से ऐसे लोगों के निशाने पर रहे हैं। ऐसी स्थिति के चलते ही राष्ट्र की आज़ादी व सशक्त राष्ट्र निर्माण की यात्रा में संघ के स्वयंसेवकों के अनमोल योगदान को दशकों तक सत्ता व सिस्टम में बैठे कुछ लोगों द्वारा अनदेखा किया गया। देश के चंद राजनेताओं ने धर्म विशेष के लोगों को खुश करने के लिए और केंद्र व राज्यों की सत्ता की कुर्सी हथियाने के लिए ओछी राजनीति करते हुए देश व दुनिया में संघ को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार करने का कार्य तक भी किया है और यह सब आज भी उनके अनुयायियों के द्वारा जारी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में कुछ राजनेताओं के द्वारा पैदा की गयी नकारात्मक स्थिति के बाद भी संघ के द्वारा निस्वार्थ भाव से कार्य करना हमेशा जारी रखा गया है। संघ के राष्ट्र निर्माण व समाज के लिए पूरी तरह से निस्वार्थ भाव से समर्पित स्वयंसेवकों की टोली ने कभी भी इस तरह की हालात की परवाह ना करते हुए, राष्ट्र व समाज हित के लिए अपना कार्य हमेशा निस्वार्थ भाव से करना जारी रखा और कभी भी संघ के इन स्वयंसेवकों ने इन कार्यों का श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं किया है। हालांकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामने राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त सरकारों के दौर में शासन व प्रशासन के द्वारा बार-बार विकट स्थिति उत्पन्न करने के बावजूद संघ के स्वयंसेवकों ने कभी भी हिम्मत नहीं हारी, उन्होंने कभी भी राष्ट्र व समाज की सेवा करने के कार्यों को करने से मूंह नहीं मोड़ा, विपरीत से विपरीत स्थिति के बावजूद भी स्वयंसेवक निरंतर देश व समाज के हित के कार्य करने में लगे रहे।

-दीपक कुमार त्यागी

मां भारती के सपूत स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने जंगें आज़ादी के दौर में विजयदशमी के पावन पर्व के दिन 27 सितंबर 1925 को महाराष्ट्र के नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना देश, संस्कृति व समाज हित के कार्यों को करने के उद्देश्य से की थी। इस संकल्प के चलते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्थापना काल से लेकर के आज तक देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय ढांचे को मजबूत करने में निरंतर लगा हुआ है। वैसे निष्पक्ष रूप से देखा जाए तो आरएसएस के द्वारा किए गए कार्यों ने करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हुए गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर के आज़ाद हुए भारत देश के निर्माण में पूरी निष्ठा व ईमानदारी से सकारात्मक योगदान देने का कार्य किया है। अपने शीर्ष नेतृत्व के सशक्त राष्ट्र, सभ्य समृद्धशाली समाज निर्माण के ओजस्वी विचारों के चलते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का राष्ट्र निर्माण व सनातन धर्म की रक्षा करने में अनमोल योगदान रहा है। जिस योगदान को हम लोग आज भी देश के विभिन्न क्षेत्रों में आसानी से देख सकते हैं। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए आरएसएस ने देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर दिन-रात एकजुट होकर के काम किया है।

हालांकि देश की आज़ादी के संघर्ष के दौर से लेकर आज़ाद भारत तक में भी चंद राजनेताओं के क्षणिक राजनैतिक स्वार्थों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा में लगे हुए स्वयंसेवक हमेशा से ऐसे लोगों के निशाने पर रहे हैं। ऐसी स्थिति के चलते ही राष्ट्र की आज़ादी व सशक्त राष्ट्र निर्माण की यात्रा में संघ के स्वयंसेवकों के अनमोल योगदान को दशकों तक सत्ता व सिस्टम में बैठे कुछ लोगों द्वारा अनदेखा किया गया। देश के चंद राजनेताओं ने धर्म विशेष के लोगों को खुश करने के लिए और केंद्र व राज्यों की सत्ता की कुर्सी हथियाने के लिए ओछी राजनीति करते हुए देश व दुनिया में संघ को बदनाम करने के लिए दुष्प्रचार करने का कार्य तक भी किया है और यह सब आज भी उनके अनुयायियों के द्वारा जारी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में कुछ राजनेताओं के द्वारा पैदा की गयी नकारात्मक स्थिति के बाद भी संघ के द्वारा निस्वार्थ भाव से कार्य करना हमेशा जारी रखा गया है। संघ के राष्ट्र निर्माण व समाज के लिए पूरी तरह से निस्वार्थ भाव से समर्पित स्वयंसेवकों की टोली ने कभी भी इस तरह की हालात की परवाह ना करते हुए, राष्ट्र व समाज हित के लिए अपना कार्य हमेशा निस्वार्थ भाव से करना जारी रखा और कभी भी संघ के इन स्वयंसेवकों ने इन कार्यों का श्रेय लेने तक का भी प्रयास नहीं किया है। हालांकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सामने राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त सरकारों के दौर में शासन व प्रशासन के द्वारा बार-बार विकट स्थिति उत्पन्न करने के बावजूद संघ के स्वयंसेवकों ने कभी भी हिम्मत नहीं हारी, उन्होंने कभी भी राष्ट्र व समाज की सेवा करने के कार्यों को करने से मूंह नहीं मोड़ा, विपरीत से विपरीत स्थिति के बावजूद भी स्वयंसेवक निरंतर देश व समाज के हित के कार्य करने में लगे रहे। निष्पक्ष रूप से देखा जाए तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ हुए इस भेदभाव के चलते, लोगों को जंगें आज़ादी व उसके बाद के दौर में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के निस्वार्थ भाव से देशहित में दिए गए अनमोल योगदान के बारे में कोई ज्यादा जानकारी नहीं है।

उसके उल्ट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में लोगों को ग़लत तथ्यों के आधार पर आधी-अधूरी जानकारी देकर के कुछ नेताओं व संगठनों के द्वारा संघ की छवि को बट्टा लगाते हुए अपने हितों को साधने का कार्य निरंतर किया गया है। हालांकि सोशल मीडिया के इस दौर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में लोगों के बीच में जिज्ञासा पैदा करने का काम किया और आम लोगों के बीच संघ के बारे में पैदा की गयी ग़लत धारणाओं को सच्चाई के दम पर काफी हद तक समाप्त करने का कार्य किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से अब देश व दुनिया के आम लोगों को भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा किए गए समय-समय पर राष्ट्र व समाज हित के कार्यों की जानकारी आसानी से मिलने लगी है। लोगों को पता चलने लगा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने स्थापना काल के दौर से ही राष्ट्र निर्माण, एकता और सांस्कृतिक जागरण के दीप को प्रज्ज्वलित करते हुए समाज को संगठित करने और सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने पर जोर दिया है। जंगें आज़ादी के दौर में संघ ने जहां लोगों को राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत करने का कार्य बखूबी किया था, वहीं आजाद भारत में संघ ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को समाप्त करने के प्रयास करते हुए एकता और आत्मविश्वास को बढ़ाने का कार्य निरंतर किया है। देश के दूरदराज इलाकों तक में भी अपनी 55000 शाखाओं व करोड़ों स्वयंसेवकों के माध्यम से पहुंच कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देश के युवाओं के एक बहुत बड़े वर्ग को अनुशासन में रहना सिखाते हुए, उनमें नेतृत्व और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का कार्य बखूबी किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कुछ कार्यों की बानगी देखें तो जंगें आज़ादी के दौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन में योगदान देते हुए, समाज में राष्ट्रीय चेतना के भाव को जागृत करने का काम बखूबी किया था। जिसके चलते ही संघ के स्वयंसेवकों ने निस्वार्थ भाव से देश के स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलनों में हिस्सा लेने का कार्य किया।

आसान तरीके से चढ़ेगा मेहंदी का रंग गहरा

महिलाएं 16 श्रंगार करती है, सजती - संवरती है। उन्हीं में से मेहंदी भी श्रंगार का ही हिस्सा है। इसके बिना तीज त्योहार या किसी भी प्रकार का पर्व पूरा नहीं होता है। लेकिन बदलते दौर में मेहंदी के रंग भी फीके पड़ने लगे हैं। कुछ नुस्खें है जिन्हें फॉलो कर आप अपनी मेहंदी का रंग गहरा कर सकती हो। तो आइए जानते हैं 5 आसान से टिप्स -

- मेहंदी को घोलते समय उसमे में सादा पानी नहीं मिलाते हुए चाय की पत्ती का पानी डालें। इसे बनाने के लिए तपेली में एक कप पानी रखें, उसमे पत्ती डाल दें। पानी को थोड़ी देर उबाल लें और ठंडा होने के बाद उससे मेहंदी घोल लें।
- मेहंदी घोलने से पहले मेहंदी में ही तेल डाल दें। इससे मेहंदी का कलर एक जैसा आता है। वहीं मेहंदी हल्की सी सुख जाने के बाद एक कटोरी में पानी लेकर उसमें शक्कर डाल दें। इसके बाद रूई की मदद से मेहंदी पर लगाएं। कलर अच्छा आएगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप रूई की मदद से अचार का तेल भी लगा सकते हैं। इससे मेहंदी का कलर खूब जमेगा।
- मेहंदी सूखने के बाद आप इसे हटा देते हैं, और लेकिन पानी से हाथ नहीं धोएं। इसके पहले थोड़ी देर के लिए घरेलू बाम का इस्तेमाल करें। अपने हाथों पर हल्के हाथों से लगा लें। ध्यान रहे उंगलियों के पोरस पर नहीं लगाएं। ताकि गलती से आंख में नहीं लग जाएं।
- मेहंदी सूखने के बाद रूई की मदद से हल्के हाथों से मेहंदी का तेल लगा लें। इसके बाद करीब 3 घंटे तक हाथों पर पानी नहीं लगाएं। फिर देखिए कितना गहरा रंग आता है।

बच्चे को सारी सुविधाएं देने के साथ-साथ उन पर निगरानी

प्रतिस्पर्धा और दिखावे के मौजूदा दौर में अभिभावकों की इच्छा होती है कि उनका बच्चा किसी भी मामले में कम न रहे। इसके चलते वे अपनी संतानों को सहूलियत, पढ़ाई और 'ज़माने के साथ चलने' के नाम पर विभिन्न चीज़ें प्रदान करते हैं, कई बार तो सामर्थ्य से भी बढ़कर। वैसे तो कोई भी वस्तु या सुविधा अपने आप में बुरी नहीं होती, लेकिन दो सिद्धांत यह निर्धारित कर सकते हैं कि वह लाभदायक होगी या हानिकारक। बच्चों पर मोबाइल फोन, गाड़ी, इंटरनेट कनेक्शन, ओटीटी सब्सक्रिप्शन, क्रेडिट कार्ड आदि सुविधाओं के असर का आकलन इन पैमानों पर किया जा सकता है कि उसे फ़ायदे की जगह नुक़सान तो नहीं हो जाएगा और माता-पिता के लिए अप्रिय स्थिति तो पैदा नहीं हो जाएगी।

कई बार काम में व्यस्त माता-पिता छोटे बच्चों को बहलाए रखने या मनोरंजन के लिए मोबाइल फोन थमा देते हैं। इस उम्र में मोबाइल का चमकता स्क्रीन बच्चे की आंखों पर स्थायी रूप से बुरा असर छोड़ सकता है। इसके अलावा, उसके सामाजिक समायोजन और भाषा के विकास पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। स्क्रीन की हलचल और किरदारों की नाटकीयता के चलते भावनाओं का प्रदर्शन और एकाग्रता भी प्रभावित होती है। इस दौरान भले ही बच्चा शांत बैठा रहे, पर यह उसके शारीरिक विकास को अवरुद्ध करता है। हर बार मोबाइल थमा दिए जाने से उसमें ज़िद करने और अपनी बात मनवाने की प्रवृत्ति बढ़ जाती है।

6-12 वर्ष

इस उम्र के पढ़ाई के नाम पर मोबाइल फोन और इंटरनेट की सुविधा दी जाने लगी है। वैसे तो कोरोना के ऑनलाइन दौर में यह मजबूरी थी, परंतु अब इसकी कोई आवश्यकता नहीं लगती। विशेषज्ञ कहते हैं कि बढ़ते बच्चों को इंटरनेट पर फटाफट सर्च करके पके-पकाए नतीजे हासिल करने के बजाय मेहनत करके किताबों में खोजने की आदत डालनी चाहिए। इससे उनकी बुनियाद मज़बूत होगी। यही वजह है कि तमाम कैलकुलेटर उपलब्ध होने के बावजूद बच्चों से गणित का अभ्यास कराया जाता है और तथ्य याद कराए जाते हैं। इस उम्र में इंटरनेट की अधिक मदद लेने से परिश्रम करने, दिमाग़ लगाने, चीज़ों को समझने की प्रवृत्ति कम हो जाती है, आंखों को नुक़सान पहुंचता है सो अलग। दूसरी तरफ़, मोबाइल गेम, सोशल मीडिया और विभिन्न तरह के वीडियो देखने की लत भी लग सकती है। समझ के अभाव में कई बार बच्चे ऑनलाइन ग़लत लोगों से दोस्ती कर लेते हैं और साइबर बुलिंग या धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। स्क्रीन टाइम की अधिकता उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालती है। इससे बच्चों में नींद और एकाग्रता की कमी भी देखी जाती है।

13-18 वर्ष

किशोरवय के इस दौर में अभिभावकों को बच्चे की ज़रूरत के साथ-साथ उसके शौक़, फ़ैशन और पीयर प्रेशर का ध्यान भी रखना होता है। इस उम्र में मोबाइल फोन और इंटरनेट के अलावा दुपहिया वाहन, स्मार्टवॉच जैसी चीज़ें भी दिलाई जाने लगी हैं। इस समय इंटरनेट की सीमित ज़रूरत हो सकती है, लेकिन बड़ों की निगरानी में और सिर्फ़ पढ़ाई के उद्देश्य से। ऐसा न हो तो इंटरनेट के असीमित उपयोग से बच्चा वास्तविक और काल्पनिक दुनिया में अंतर नहीं रख पाएगा और संभव है कि वास्तविक दुनिया से उसका संपर्क कट जाए। अभिभावकों की निगरानी न होने पर ऑनलाइन गेम, अनजान लोगों से दोस्ती, पोर्न की लत जैसे बड़े ख़तरे भी हो सकते हैं। जहां तक स्मार्टवॉच जैसी सुविधा का सवाल है, तो वह स्कूल में भी ध्यान भटकाएगी और स्मार्टफोन से लगातार जोड़े रखेगी, जिसका कोई लाभ नहीं है। उन्हें वाहन देना भी जोखिम भरा हो सकता है, क्योंकि इस उम्र में रोमांच की चाह तो होती है, पर निर्णय क्षमता गतिविधियों के नतीजों की समझ पूर्ण विकसित नहीं होती। एक अध्ययन का निष्कर्ष है कि वयस्कों की तुलना में किशोरवय वाहन चालकों से दुर्घटना की आशंका चार गुना अधिक होती है।

18 वर्ष से अधिक

इस उम्र में बच्चे पढ़ाई के लिए कई बार अपने घर से दूर भी जाकर रहते हैं, इसलिए मोबाइल फोन, इंटरनेट, गाड़ी के साथ-साथ क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधा भी ज़रूरी लगने लगती है। हालांकि इनसे पूरी तरह वंचित नहीं किया जा सकता, लेकिन उपयोग को सीमित अवश्य किया जाना चाहिए। जैसे, क्रेडिट की एक लिमिट होनी चाहिए और उसे अभिभावक के फोन नंबर से लिंक्ड होना चाहिए, ताकि हर ख़र्च की जानकारी उन तक पहुंचे। वाहन भी दिखावे के बजाय आवागमन में सुविधा के लिए ख़रीदा जाना चाहिए।

बदलाव ऐसे लाएं

अक्सर देखा गया है कि जब बच्चे सुविधाओं का दुरुपयोग करने लगते हैं तो अभिभावक उनसे वह सब वापस ले लेते हैं। इससे बच्चे विद्रोही भी हो जाते हैं। ऐसे मामलों में माता-पिता इन बातों का ध्यान रखें-

- माता-पिता पहले बच्चों के साथ बातचीत करें और उन्हें समझाएं कि इस सुविधा को कम करने या वापस लिए जाने की आवश्यकता क्यों है।
- नियम बनाएं कि छोटे बच्चे मोबाइल फोन का इस्तेमाल अभिभावक की निगरानी में ही करेंगे और जिस काम से मोबाइल लिया गया है, उसी तक सीमित रहेंगे।
- ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नकारात्मक और हिंसक कार्यक्रमों के लिए हतोत्साहित करें। ओटीटी प्लेटफॉर्म, सर्च इंजन, वीडियो आधारित सोशल मीडिया पर रिस्ट्रिक्टेड मॉड का उपयोग करके अनुचित वेबसाइट/की-वर्ड्स को अवरुद्ध किया जा सकता है।
- कोई भी चीज़ या सुविधा कभी भी सज़ा के तौर पर वापस ना लें।
- बच्चों से यह स्पष्ट कर दें कि प्राइवेसी के नाम पर असीमित छूट नहीं दी जाएगी। ख़ासतौर पर सोशल मीडिया पर माता-पिता फ्रेंडलिस्ट में रहेंगे और आवश्यक होने पर फ्रेंड्स के बारे में जानकारी भी लेंगे।
- सही तरीक़े से सुविधाओं का उपयोग करने पर माता-पिता बच्चों की प्रशंसा भी करें।
- हर सुविधा के उपयोग के लिए एक उपयुक्त समय सीमा निर्धारित करें। बच्चों के साथ-साथ माता-पिता भी अपने लिए सभी सुविधाओं के उपयोग का समय निश्चित रखें।
- बच्चों को सही और ग़लत में अंतर करना सिखाएं तथा उन्हें समय-समय पर नैतिक मूल्यों से अवगत कराएं।

समर सीजन में जरूर ट्राई करें ये आउटफिट्स

समर सीजन के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करने का टाइम आ गया है। गर्मियों के हिसाब से हम आपको ऐसे ड्रेसिंग टिप्स दे रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप स्टाइलिश दिख सकती हैं। साथ ही अगर आपने इन आउटफिट्स को कभी ट्राई नहीं किया है, तो यह समर आपके फैशन स्टेटमेंट को बदलने के लिए सबसे परफेक्ट है।

टाइअप, वाइड, हाइ वेस्ट ट्राउजर्स

इस साल टाइअप ट्राउजर्स का जबर्दस्त चलन देखने को मिला, ऐसे में आप कलरफुल टाइअप ट्राउजर के साथ स्टाइलिश नजर आ सकती हैं। सबसे खास बात यह है कि यह लुक आप ऑफिस के साथ कैजुअली भी कैरी कर सकती हैं।

प्लीटेड स्कर्ट

प्लीटेड स्कर्ट पहनने में काफी आरामदायक होने के साथ आपको क्लासी लुक देती है।आप शर्ट के साथ भी प्लीटेड स्कर्ट पहन सकती हैं, वहीं ट्रिप पर जाते हुए आप आप टीशर्ट के साथ भी इसे पहन सकती हैं।

स्ट्रिप ड्रेस

स्ट्रिप वाली ड्रेस पहले ऑफिस लुक के लिए सबसे अच्छी मानी जाती थी लेकिन बदलते वक्त में स्ट्रिप ड्रेस को डेनिम शॉर्ट के साथ भी कैरी किया जाने लगा। इस साल भी यह फैशन ट्रेंड लोगों के बीच काफी पॉपुलर हुआ।

सीक्वेन साड़ी

हम ड्रेसेस की चर्चा कर रहे हो और सीक्वेन साड़ी के बारे में बात न हो, यह कैसे हो सकता है ऐसे में सीक्वेन साड़ी को आप पार्टी में ट्राई कर सकते हैं। यह काफी खूबसूरत नजर आती हैं।

रफल

इस साल रफल लुक का बोलबाला रहा। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज ने रफल साड़ी, रफल टॉप, रफल ब्लाउज सोशल मीडिया पर जमकर फ्लॉन्ट किया। आप आने वाले साल में यह स्टाइल भी कैरी कर सकती हैं।

सही डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए बच्चे को उसकी उम्र के हिसाब से खाना खिलाएं

सही डेवलपमेंट और ग्रोथ के लिए बच्चे को अच्छी डाइट की जरूरत होती है। अगर आप बच्चे को उसकी उम्र के हिसाब से खाना खिलाएं, तो इससे उसके विकास में काफी मदद मिलती है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बता रहे हैं कि ढाई साल के बच्चे का हफ्तेभर का डाइट चार्ट कैसा होना चाहिए।

सोमवार का भोजन चार्ट

ढाई साल के बच्चे को सुबह 7 से 8 बजे एक कप दूध में ड्राई फ्रूट्स के साथ एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में 830 से 930 बजे के बीच बच्चे को नारियल की चटनी के साथ एक डोसा खिलाएं। इसके कुछ देर बाद 11 से 1130 बजे बच्चे को चुकंदर और गाजर का एक कप सूप पिलाएं। 1 से 2 बजे के बीच बच्चे का लंच करवाना है जिसमें उसे आधा कप हरी मटर के चावल और आधा कप चिकन करी खिलानी है। वेजिटेरियन हैं तो आधा कप चावल, आधा कप सहजन की दाल में एक चम्मच घी डालकर और आधा कप दही दें। शाम को 430 से 530 बजे बच्चे को पनीर सैंडविच दें और फिर रात को 730 से 8.15 बजे डिनर में एक मटर का परांठा और आधा कप दही खिलाएं।

मंगलवार की डाइट

सुबह बच्चे को एक कप दूध में बादाम और एक चम्मच गुड़ और शहद डालकर दें। नाश्ते में बच्चे को सेरेलेक खिला सकती हैं। इसके थोड़ी देर बाद एक वेज रोज और आधा कप तरबूज खिलाना है। लंच में आधा कप वेज पुलाव और आधा कप रायता खिलाएं। शाम को एक कप मैंगो जूस पिलाएं। अब डिनर में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप चुकंदर की सब्जी दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बुधवार का खाना

25 साल के बच्चे को सुबह ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक इडली और दो चम्मच नारियल की चटनी खिलाएं। कुछ देर बाद एक कप संतरे का जूस पिलाना है। लंच में आधा कप चावल, आधा कप दाल पालक, एक चम्मच घी और आधा कप दही खिलानी है। इसके थोड़ी देर बाद एक रागी का लड्डू और एक केला खिलाएं। डिनर में बच्चे को आधा कप वेजिटेबल खिचड़ी के साथ आधा कप दही दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

बृहस्पतिवार का भोजन चार्ट

सुबह उठने के बाद बच्चे को एक कप केले के मिल्क शेक में एक चम्मच शहद डालकर दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। कुछ देर बाद बच्चे को आधा कप मिक्स वेज सूप और आधा कप अनानास खिलाना है। दोपहर को लंच में आधा कप मिक्स वेजिटेबल राइस और आधा कप दाल फ्राई खिलाएं। लंच के बाद एक बेसन का लड्डू और आधा कप खरबूजा खिलाएं। डिनर में आधा कप वेज नूडल्स दें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शुक्रवार का डाइट चार्ट

शुक्रवार को सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। ब्रेकफास्ट में एक कप पोहा खिलाएं। फिर थोड़ी देर बाद एक संतरा देना है। बच्चे को लंच में आधा कप चावल, आधा कप लौकी की दाल और एक चम्मच घी डालकर खिलाएं। शाम को एक वेज कटलेट के साथ आधा कप लस्सी पिलाएं। रात को डिनर में एक परांठा और आधा कप दाल फ्राई में एक चम्मच घी डालकर परोसें। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

शनिवार का खाना कैसा रखें

सुबह नाश्ते से पहले ड्राई फ्रूट्स के साथ एक कप दूध दें। इसके बाद नाश्ते में एक कटोरी सेरेलेक खिलाएं। थोड़ी देर बाद एक कप पपीता और 4 से 5 खजूर खिलाएं। लंच में बच्चे को घी लगाकर एक रोटी और आधा कप गाजर और आलू की सब्जी दें। शाम को एक कप गाजर का सूप पिलाएं। रात को डिनर में आधा कप वेजिटेबल पास्ता खिलाएं। रात को सोने से पहले एक कप दूध में एक चम्मच गुड़ या शहद डालकर दें।

आमजन के लिए नपा ने तहसील परिसर में की प्याऊ प्रारंभ

सिरोंज। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मंगलवार को नगरपालिका परिषद एवं जनसहयोग से लटेरी मार्ग पर गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए आमजन को शीतल पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए प्याऊ का शुभारंभ

किया गया। इसका लाभ न्यायलय परिसर एवं तहसील कार्यालय में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या मे आने वाले फरियादी आम जन मिलेगा नगर पालिका के द्वार विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर नगर के विभिन्न स्थानों में प्याऊ शुरू कराई जा रही है। मंगलवार को व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती मोना शुक्ला पाण्डेय एवं सुश्री अंकिता जैन ने परिसर में प्याऊ का फीता काटकर। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, एसडीएम हर्षल चौधरी,मुख्य नापाधिकारी रामप्रकाश साहू,बीएमओ विकास सिंह बघेल, ,स्वास्थ्य अधिकारी धीरज मैना सहित पार्षदगण गण मौजूद थे।

प्रशासन में जल संवर्धन अभियान के तहत राधा कुंड की साफ सफाई

सिरोंज। मंगलवार को जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत एसडीएम हर्षल चौधरी की मौजूदगी में तहसील और जनपद कार्यालय के अधिकारी कर्मचारियों ने राधा कुंडों पर पहुंचकर प्राचीन बावड़ी की साफ सफाई करते हुए इसके आसपास जितना भी कचरा और कीचड़ थी उसको निकाल

कर परिसर को भी साफ सुंदर कर दिया इसके बाद यहां का दृश्य बहुत ही साफ स्वच्छ नजर आने लग।एसडीएम ने बताया कि श्रमदान करके हम लोगों ने इसकी साफ सफाई की है आगे भी प्राचीन जल स्तोत्रों की साफ सफाई के लिए हम श्रमदान करेंगे आम जनता को भी जोड़ा है।जिससे कि आने वाले समय में इनका उपयोग जनहित के लिए किया जा सके प्राचीन जल स्रोतों का उपयोग पहले पानी पीने के लिए होता था उनको संवारने का काम सरकार कर रही है। इस दौरान जनपद सीईओ वंदना शर्मा , सुनील रघुवंशी आदि मौजूद थे।

ताप्ती पुराण के 5 वें संस्करण का विधायक खंडेलवाल ने किया विमोचन

बैतूल। पूर्व सांसद स्व. विजय कुमार खण्डेलवाल की जयंजी पर विजय सेवा न्यास बैतूल में श्री ताप्ती पुराण के पांचवे संस्करण का विमोचन केन्द्रीय मंत्री डी.डी. उईके, विधायक हेमंत खण्डेलवाल, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, विधायक योगेश पंडाग्रे,

भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पवांर सहित अन्य अतिथियों के हस्ते किया गया। श्री ताप्ती पुराण की अनुवादक सेवानिवृत्त प्रधान अध्यापिका स्व. श्रीमति कलावती मान्धाता संशोधन कर्ता सेवानिवृत्त प्रधान अध्यापिका स्व. श्रीमति रामकुंवर खेरे व टंकनकर्ता वर्तमान प्रधान अध्यापिका श्रीमति वर्षा खेरे है। तीन पीढ़ियों की महिलाओं के संयुक्त प्रयास से श्री ताप्ती पुराण जिसमें श्री ताप्ती महात्म्य के 4466 संस्कृत श्लोको का हिन्दी रूपान्तरण हो सका। पांचों संस्करण के प्रकाशक राज्य स्तरीय अधिमान्य पत्रकार गगनदीप खेरे है।

मिशन रोशनी के तहत नेत्र परीक्षण शिविर 26 अप्रैल को

छतरपुर। नगर के प्रसिद्ध एवं प्राचीन हनुमान टोरिया मंदिर पर एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का हनुमान टोरिया सेवा समिति के द्वारा आयोजन किया जा रहा है यह आयोजन स्वर्गीय श्रीमति प्रेम दुलारी बाई असाटी की स्मृति में उनके पुत्र राधेलाल असाटी (जटाशंकर ज्वेलर्स) वालों

के सहयोग से आने वाले 26 अप्रैल को एक दिवसीय निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमे सदुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम के द्वारा नेत्र रोग से पीड़ित मरीजों का इलाज किया जाएगा एवं उन्हें चश्मा और दवा भी वितरित की जाएगी तथा परीक्षण के उपरांत मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को चिन्हित कर ऑपरेशन हेतु चित्रकूट भेजा जाएगा हनुमान टोरिया सेवा समिति ने नेत्र रोग से पीड़ित मरीजों से आग्रह किया है कि इस शिविर का लाभ लें अपना आधार कार्ड साथ लाना न भूले।

जनसुनवाई में 113 आवेदन आए कलेक्टर ने दिव्यांगों को अलग से सुना

छतरपुर। मंगलवार को कलेक्टर पार्थ जैसवाल की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, एडीएम मिलिंद नागदेवे, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी, कौशल सिंह, एवं विभागीय जिलाधिकारी उपस्थित रहे और व्हीसी के माध्यम से जिले के अनुभागों के एसडीएम एवं तहसीलदार जुड़े रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त 113 आवेदनों के निराकरण में गंभीरता बरतें और प्राथमिकता से निराकरण करें। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण करने के लिए निर्देशित किया गया। एवं कलेक्टर ने दिव्यांगों की सुनवाई अलग से की।

विजय सेवा न्यास की वर्षगांठ पर 26 बेसहारा बच्चों को लिया गोद, शिक्षा सहित समग्र विकास की जिम्मेदारी उठाएंगे

बैतूल। पूर्व सांसद स्व.विजय कुमार खण्डेलवाल की स्मृति में बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं उनके परिवार द्वारा संचालित किए जा रहे विजय सेवा न्यास की वर्षगांठ एवं बाबूजी की जन्म जयंती के अवसर पर न्यास कार्यालय मोतीवार्ड कोठी बाजार में 22 अप्रैल को आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में विजय सेवा न्यास द्वारा 26 बेसहारा बच्चों को गोद लेकर उनकी पढाई सहित समग्र विकास की जिम्मेदारी ली। कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में मौजूद केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके म.प्र. जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर एवं आमला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे नें अपने उद्रबोधन में कहा कि राजनीति को सेवा का सशक्त माध्यम मानने वाले पूर्व सांसद स्व.बाबूजी के विचारों को खण्डेलवाल परिवार आगे बढ़ा रहा है। जनप्रतिनिधियों नें विजय सेवा न्यास के सेवा प्रकल्पों को सामाजिक सरोकार की सराहनीय और अनुकरणीय मिशाल बताया। इस दौरान सेवा गतिविधियों पर केंद्रित

डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई।विधायक हेमंत खण्डेलवाल नें विजय सेवा न्यास के प्रकल्पों सेवा,शिक्षा से रोजगार चिकित्सा सहायता, महिला सशक्तीकरण,बेसहारा को सहारा की विस्तृत जानकारी दी। जन - जन की तरक्की जरूरतमंदो की सेवा और सहयोग के लिए उनका परिवार हमेशा तत्पर रहा है। बाबूजी राजनेता होने के साथ ही सामाजिक सरोकार से जुड़े रहे। वे राजनीति को सेवा का सशक्त माध्यम मानते थे। बाबूजी की स्मृति में विजय सेवा न्यास की स्थापना कर न्यास के माध्यम से सेवा शिक्षा से रोजगार ,नारी सशक्तीकरण,बेसहारा को सहारा पॉच प्रकल्पों को संचालन किया जा रहा है। उन्होनें बाताया कि सेवा प्रकल्प के तहत निःशुल्क शांति वाहन एवं स्वर्ग रथ का संचालन किया जा रहा है। शांति वाहन से लगभग साढ़े चार हजार और स्वर्ग रथ से 1200 पार्थिक देह गंतव्य तक पहुचाई जा चुकी है। कार्यक्रम में पूर्व सांसद सुभाष आहूजा ज्योति धुर्वे,पूर्व विधायक शिवप्रसाद राठौर नपा.अध्यक्ष पार्वती बारस्कर,भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवांर,पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत बाबा माकोड़े,पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला,ज्योतिषाचार्य डॉ.पंडित कांत दीक्षित, राकेश द्विवेदी, रामकुमार वर्मा डॉ.सतीश खण्डेलवाल, सी.ए.प्रदीप खण्डेलवाल मुकेश खण्डेलवाल, हेमलता कुंभारे, निजी स्कूलों के संचालक,पत्रकार गणमान्य नागरिक,पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अक्षय तृतीया के पूर्व ही लगातार दूसरे दिन रोके गए 7 बाल विवाह

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी , एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.एस वर्मा के मार्गदर्शन में दमोह जिले में लगातार दीवार लेखन, रेली, मीटिंग्स, प्रशिक्षण के माध्यम से मैदानी अमलों को प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही इनके द्वारा एवं राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के किशोर साथिया एवं ब्रिग्रेड द्वारा जन सामान्य को जागरूक किया जा रहा है । इसके परिणाम स्वरुप विवाह के सीजन में लगातार गुप्त सूत्रों से सीधे जिला कलेक्टर, चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098,एवं अधिकारियों तक लगातार बाल विवाह की सूचनाएं प्राप्त हों रही है, प्राप्त सूचनाओं के आधार पर महिला बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग, एस.जे.पी.यु, दल के सहयोग से मौके पर पहुंचकर बाल विवाह रोके जाने हेतु सक्रियता से कार्यवाही की जा रही है। इसके परिणाम स्वरुप आज दिनांक को भी गोपनीय सूचना के आधार पर गठित टीम के द्वारा 7 बाल विवाह रोके जाने हेतु बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 अनुसार समझाईस देकर कार्यवाही की गई थी । इसी कड़ी में 22 अप्रैल 2025 को महिला बाल

विकास परियोजना शहरी अंतर्गत 1 एवं जबेरा अंतर्गत 6 जिसमे थाना जबेरा सीमा अंतर्गत दो बाल विवाह सिंग्रामपुर चौकी सीमा अंतर्गत तीन बाल विवाह एवं नोहटा थाना सीमा अंतर्गत एक जो कल रोका गया था बाल विवाह रुकवाये गये ।

बाल विवाह रोकथाम वाले दल में जिसका नेतृत्व परियोजना अधिकारी रिंकल घनघोरिया एवं परियोजना अधिकारी सुलेखा ठाकुर सेक्टर पर्यवेक्षक अंकिता जैन, सुंदरलाल अहिरवार पर्यवेक्षक अन्नपूर्णा दुबे एवं पर्यवेक्षक श्रीमती दीपा कोरी एवं संबंधित थाने के पुलिस कर्मी तथा संबंधित ग्राम की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं । ज्ञातव्य है, कलेक्टर जिला दमोह बाल विवाह जैसी कुरूति को रोकने हेतु गंभीर हैं जिसके परिणाम स्वरुप जिले में लगातार सर्वप्रथम तो प्रशासन की धुरी माने जाने वालीं मैदानी अमलों सेक्टर पर्यवेक्षकों, आशा, आगनबाडी कार्यकर्ताओं, ए.एन.एम आदि को प्रशिक्षित किया जा रहा है साथ ही विवाह के सीजन में होने वाले बाल विवाह रोकथाम हेतु टीम सकिर्यता से पुलिस विभाग एवं पंचायत विभाग के समन्वय से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर मुस्तेदी से बाल विवाह को रोक रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री कोचर जिला दमोह के निर्देशन में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन व बाल संरक्षण अधिकारी अनंतराम कुर्मी, जिला समन्वयक ममता एच.आई.एम.सी द्वारा जिला स्तर से समन्वयन का कार्य किया जा रहा है । कलेक्टर जिला दमोह द्वारा बाल विवाह होने की शिकायत या सूचना दमोह हेल्प लाइन 07812-350300 एवं चाइल्ड हेल्प लाइन न 1098 पर दर्ज कराई जा सकती है । शिकायतकर्ता अथवा सुचना देने वाले की जानकारी पुर्णतः गोपनीय रखी जायेगी ।

जल जीवन मिशन से बदली ग्राम देवठान और बैतूल जिले की तस्वीर

बैतूल । गर्मी के मौसम में जब अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में पानी के लिए हाहाकार मच जाता है। तब मध्यप्रदेश के बैतूल जिले के ग्राम देवठान पंचायत टाहली में स्थिति बिल्कुल अलग है। यहां के लगभग 120 परिवारों को इस भीषण गर्मी में भी नियमित पेयजल मिल रहा है। और इसका श्रेय जाता है जल जीवन मिशन की सफल क्रियान्वयन रणनीति को केवल देवठान ही नही बल्कि पूरे बैतूल जिले में इस मिशन का व्यापक असर देखने को मिला है। जहां पहले हर वर्ष करीब 450 ग्रामों में पेयजल संकट उत्पन्न होता था, वहीं इस वर्ष 291 समस्याग्रस्त ग्रामों में पर्याप्त और नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। जिले के कुल 718 ग्रामों में नल से पर्याप्त पानी मिल रहा हैं। ग्राम की महिलाओं ने बताया कि पहले उन्हें भीषण गर्मी में पानी लाने में काफी समस्या होती थीं। दूर नदी तालाब या झिरिया तक जाकर पानी लाना पड़ता था। जिसमें शारीरिक कष्ट के साथ समय भी काफी लगता था। अब घर बैठे नल से पानी मिलने से बहुत आराम हैं। हम सभी महिलाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और हमारे प्रिय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के प्रति बहुत बहुत आभारी है। इस परिवर्तन के पीछे जिला प्रशासन की प्रभावी योजना, सतत निगरानी और विभागों के बीच बेहतरीन समन्वय रहा है। जिला कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के नेतृत्व में ग्राम पंचायतों और विभागीय ठेकेदारों को स्पष्ट लक्ष्य दिए गए।

चौरसिया मानस मंडल समिति ने परिचय व सामूहिक विवाह सम्मलेन का आयोजन किया

खरगोन। सकल तंबोली समाज के तत्वाधान में चौरसिया मानस मंडल राम मंदिर भोपाल समिति द्वारा परिचय सम्मेलन एवं सामूहिक विवाह आयोजित किया गया उक्त कार्यक्रम में सकल तंबोली समाज के समस्त घटक दल ने अपने-अपने स्तर पर सामूहिक सम्मेलन को सफल बनाने शारीरिक एवं आर्थिक दोनों प्रकार के सहयोग से भोपाल में आयोजित सम्मेलन पूर्णतया सफल रहा साथ ही समाज द्वारा सामाजिक पत्रिका का विमोचन किया गया उक्त पत्रिका में भी सकल तमोली समाज के समस्त घटक दल ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और सभी के सहयोग से कार्यक्रम को सफलता मिली है साथी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे श्री

रमेश लक्खूलाल चौरसिया सकल तंबोली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा 21000 की नकद धनराशि देकर समाज की बेटियों को आशीर्वाद प्रदान किया गया है कार्यक्रम में मुख्यरूप से संतोष कुमरावत खंडवा वीरेंद्र पटेल कार्यकारी अध्यक्ष इन्दौर तथा कार्यक्रम के मुख्य मार्गदर्शक एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुमन चौरसिया इंदौर और उनके साथी अनिल जी मोदी देवास चिंतामण मोदी बालगढ़ धर्मेंद्र मोदी बालगढ़ अंबाराम काकरीवाल देवास मोहनलाल कुमरावत देवास मुकेश मोदी नागदा विष्णु मोदी कन्नौद तथा उनकी टीम कुकड़ेश्वर से लोकेश मोदी भानपुरा से शिवाजी बंबोरिया तथा कार्यक्रम में छोटी सादड़ी से कीर्ति मोदी ग्वालियर से रमेश चौरसिया देवेंद्र चौरसिया राजेश जी चौरसिया मनोज चौरसिया सदाशिव डोंगरे बेटमा से खूबचंद कुमरावत कार्यक्रम में उपस्थित रहे और आप सभी के सहयोग से सम्मेलन के संयोजक कृष्णकांत चौरसिया भोपाल के द्वारा कार्यक्रम को सफलता तक पहुंचाया गया आप सभी का हार्दिक अभिनंदन आप सभी महानुभावों के सहयोग के लिए धन्यवाद ।

उपार्जन केंद्र पर सर्वेयर द्वारा गेहूं की गुणवत्ता जांच के लिए किया जा रहा प्रयास

थैली में सुरक्षित रखा जा रहा है गेहूं का सेंपल

औबेदुल्लागंज। । कुछ समाचार पत्र में दिनांक 22 अप्रैल 2025 के अंक में समाचार प्रकाशित किया गया है कि गौहरगंज तहसील अंतर्गत उपार्जन केन्द्रों पर केन्द्र संचालक / वेयर हाउस संचालक द्वारा प्रत्येक किसान से 600 ग्राम गेंहूँ प्रति क्विंटल अधिक तौला जा रहा है। इस समाचार के संबंध में उपायुक्त सहकारिता रायसेन एवं जिला आपूर्ति अधिकारी रायसेन द्वारा तहसील गौहरगंज अंतर्गत निर्धारित गेंहूँ उपार्जन केन्द्र निहाल वेयरहाउस औबेदुल्लागंज की जॉच नायब तहसीलदार गौहरगंज, ज्ञापन प्रस्तुतकर्ता सुरजीत नागर उपाध्यक्ष राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ जिला रायसेन सदस्य राहुल गौर एवं

समिति प्रबंधक तथा वेयर हाउस संचालक की उपस्थिति में की गई । जांच के दौरान मौके पर पाया गया कि केन्द्र पर नियुक्त सर्वेयर के द्वारा प्रति ट्राली 1 से 1.5 किलोग्राम गेंहूँ सेम्पल जाँच हेतु लिया जाता है जो कि थैलियों में रखा जाता है। उपस्थित पंचगणों के समक्ष सेम्पल लिये गये थैलियों का वजन किया गया जिसमें औसतन गेंहूँ की मात्रा प्रति ट्राली 1.050 किलोग्राम से 1.700 किलोग्राम पाई गई । सेम्पल जॉच के अतिरिक्त केन्द्र पर किसानों से किसी भी प्रकार से अतिरिक्त गेंहूँ नहीं लिया जा रहा है इसकी पुष्टि उपस्थित पंचगणों कृषकों एवं किसान मजदूर महासंघ के उपस्थित पदाधिकारियों के द्वारा की गई ।

हैप्पी सीडर, सुपर सीडर का प्रयोग कर बिना नरवाई जलाए ही सीधे बुवाई करें

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार खेतों की नरवाई में आग लगाने की घटनाओं को रोकने के संबंध में कमेटी गठित की गई है। जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी शामिल है। गठित कमेटी सेटेलाईट से प्राप्त नरवाई जलाने की घटना की पुष्टि कर प्रतिवेदन संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार को प्रस्तुत करेगी। प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार तहसीलदार दण्ड अधिरोपित करने की कार्यवाही सुनिश्चित करेगें।

पर्यावरण सुरक्षा हेतु माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिव्यूनल द्वारा नरवाई जलाने पर 02 एकड़ से कम भूमि धारक को 2500 रुपये प्रति घटना, 02

से 05 एकड़ भूमि धारक कृषक को 5000 रुपये प्रति घटना तथा 05 एकड़ से अधिक भूमि धारक कृषक को 15000 रुपये प्रति घटना दण्ड का प्रावधान किया गया है।

किसान भाइयों से अपील की जाती है कि पर्यावरण प्रदूषण को रोकने, मृदा की उर्वरता बनाये रखने एवं जन-धन हानि को रोकने अपने खेतों की नरवाई को न जलाएं बल्कि उसका उचित प्रबंधन जैसे स्ट्रारीपर की सहायता से भूषा निर्माण अथवा रिवर्सिवल प्लाऊ, रोटावेटर जैसे उपकरणों से मिट्टी में मिला कर मृदा को उपजाऊ बनाए। नरवाई युक्त खेतों में हैप्पी सीडर सुपर सीडर की मदद से फसलों की सीधी बुबाई कर फसल उत्पादन लागत को कम कर सकते है। हैप्पी सीडर सुपर सीडर का उपयोग करने से नरवाई में आग की घटना, बुबाई पूर्व जुताई की लागत को कम किया जा सकता है। साथ ही नरवाई मृदा में मिल जाने से मृदा की उर्वरता में वृद्धि होती है।

बैरसिया में जैन समाज का मौन जुलूस

देशभर में हो रहे अत्याचारों के विरोध में सौंपा गया ज्ञापन

बैरसिया। जैन धर्म पर लगातार हो रहे अत्याचारों और अनदेखी घटनाओं के विरोध में सोमवार को बैरसिया नगर में जैन समाज द्वारा एक विशाल मौन जुलूस निकाला गया। यह जुलूस नगर के प्राचीन जैन मंदिर, महावीर मार्ग से शुरू होकर एसडीएम कार्यालय तक पहुँचा, जहाँ समाजजनों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मुंबई के विले पार्ले स्थित जैन मंदिर को तोड़ने वाले अधिकारियों पर त्वरित निलंबन की माँग की गई, साथ ही नीमच (म.प्र.) में जैन साधुओं पर हुए हमले की निष्पक्ष जांच और उनके विहार के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की गई। जबलपुर में दो भाजपा नेताओं द्वारा जैन समाज को लेकर की गई अभद्र टिप्पणियों

की भी कड़ी निंदा की गई।

इस शांति पूर्ण प्रदर्शन में नगर के सैकड़ों समाजजन–महिलाएं, पुरुष, बच्चे और वरिष्ठ नागरिक–बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्री दिगंबर जैन पंचायत कमेटी के अध्यक्ष मुकेश जैन, उपाध्यक्ष नितिन जैन, कोषाध्यक्ष सुरेश जैन, पार्षद नितिन जैन (टिक्कू भैया), वरिष्ठजन भगवान दास बियाणी, विजय सोनी, अनुपम शर्मा, विवेक उपाध्याय, हनीफ खान एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

समाज के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप जैन ने इस अवसर पर कहा, जैन समाज अहिंसा और शांति का प्रतीक है। हम शांत जरूर हैं, लेकिन कमजोर नहीं। धर्म पर जब-जब चोट होगी, समाज संगठित होकर उसका जवाब देगा। हम शासन-प्रशासन से आग्रह करते हैं कि जैन समाज की आस्था और सुरक्षा का सम्मान किया जाए।

रतलाम के जावेद मेव ने यूपीएससी क्रेक कर किया कमाल, 815वीं रैंक

रतलाम। शहर के जवाहर नगर निवासी जावेद मेव ने यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा 2024 में 815वीं रैंक हासिल की है। मंगलवार दोपहर घोषित हुए नतीजों में उनका नाम आते ही परिवार, रिश्तेदार व शुभचिंतकों में खुशी छा गई।सभी ने उनका स्वागत किया तथा मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

जावेद मेव पढ़ाई में बचपन से ही होशियार है। उन्होंने मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं की परीक्षा की प्रदेश की मेरिट लिस्ट में नौंवा स्थान प्राप्त किया था।इसके बाद उन्होंने 2013 से 2017 तक जयपुर में रहकर एमएनआईटी से मेकेनिकल ब्रांच में बी-टेक किया।बीटेक करने के बाद वे दिल्ली चले गए तथा वहीं रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहे थे। पिछले वर्ष उन्होंने यूपीएससी की सेंट्रल

आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) की असिस्ट्रेंट कमांडेंट की भर्ती परीक्षा पास कर 65वीं रैंक हासिल की थी। उन्हें असिस्टेंट कमांडेंट पद मिला था, जिसकी ट्रेनिंग तीन मई 2025 से शुरू होने वाली है।। इसके पहले वे रेलवे की ग्रुप सी की भी परीक्षा उर्तीण कर चुके है। जावेद के पिता सलीम मेव पहले नगर निगम में दैनिक वेतन भौगी कर्मचारी थे।

भारत रत्न डॉ आंबेडकर के व्यतित्व पर संगोष्ठी का आयोजन हुआ

धार। भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135 वीं जयंती के उपलक्ष्य में अंबेडकर जी के व्यतित्व, कृतित्व और राष्ट्रनिर्माण में उनके अमूल्य योगदान को लेकर जिला स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन मंगलवार को धार के इंदौर नाका स्थित ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता देवास - शाजापुर लोकसभा सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी एवं पूर्व युवा आयोग अध्यक्ष डॉ निशांत खरे ने संबोधित किया। इस दौरान भाजपा संगठन संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती विधायक श्रीमती नीना वर्मा संगोष्ठी टोली सदस्य महेंद्र सिंह चाचू बना अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा मंचासीन रहे। अतिथियों ने सर्व प्रथम भारतमाता संविधान निर्माता डॉ अंबेडकर जी,पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्जवलित कर संगोष्ठी का विधिवत आरंभ किया।

नरवाई जलाने पर जिले में 51 किसानों पर अर्थदंड एवं 7 पर दर्ज हुई एफआईआर

छतरपुर। कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा नरवाई नहीं जलाने के संबंध में आदेश जारी किया गया था। साथ ही आमजनों से खेतों की नरवाई नहीं जलाने की अपील भी की गई थी। साथ ही कलेक्टर द्वारा खेतों की नरवाई में आग लगाने की घटनाओं को रोकने के संबंध में कमेटी गठित की गई है। जिसमें ग्राम पंचायत स्तर पर पटवारी, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक एवं संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी शामिल है। गठित कमेटी सेटेलाईट से प्राप्त नरवाई जलाने की घटना की पुष्टि कर प्रतिवेदन संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार को प्रस्तुत करती है। प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार तहसीलदार दण्ड अधिरोपित करने की कार्यवाही सुनिश्चित करते हैं। पर्यावरण सुरक्षा के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिव्यूनल द्वारा नरवाई जलाने पर 02 एकड़ से कम भूमि धारक को 2500 रुपये प्रति घटना, 02 से 05 एकड़ भूमि धारक कृषक को 5000 रुपये प्रति घटना तथा 05 एकड़ से अधिक भूमि धारक कृषक को 15000 रुपये प्रति घटना दण्ड का प्रावधान किया गया है।

फरहान अख्तर की 'डॉन 3' में कृति सेनन की एंट्री की चर्चा तेज

रणवीर सिंह के साथ जम सकती है जोड़ी

फरहान अख्तर की %डॉन 3% बहु प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इससे जुड़ी हर अपडेट पर फैंस की नजर रहती है। बीते वर्ष यह एलान किया गया कि इस फिल्म में लीड रोल रोल रणवीर सिंह अदा करेंगे। वहीं, लीड अभिनेत्री के रूप में कियारा आडवाणी का नाम फाइनल किया गया। मगर, प्रेग्नेंसी के चलते वे इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गई हैं। अब नई एक्ट्रेस के नाम की चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि डॉन 3 में कृति सेनन की एंट्री हो गई है। वे रणवीर सिंह के अपोजिट फिल्म में नजर आ सकती हैं। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कृति ने डॉन 3 में रणवीर के साथ काम करने के लिए सहमति जताई है। कुछ ही हफ्तों में बात फाइनल हो सकती है। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि फरहान अख्तर और एक्सेल एंटरटेनमेंट की टीम रोमा की भूमिका के लिए एक अनुभवी अभिनेत्री की तलाश कर रही थी, जिसकी स्क्रीन पर अच्छी उपस्थिति हो और कृति उनकी पसंद पर एकदम खरी उतरती हैं। हालांकि, आधिकारिक रूप से अभी ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है। रिपोर्ट्स में आगे कहा गया है कि डॉन 3 की शूटिंग मुख्य रूप से यूरोप में की जाएगी और इसके लिए लोकेशन पहले ही तय कर ली गई हैं। स्क्रिप्ट भी तैयार है और अब बस एक्शन डिजाइन के साथ-साथ थोड़ी पॉलिशिंग बाकी है। प्री-प्रोडक्शन का काम अगले कुछ महीनों तक चलेगा।

कहा जा रहा है कि टीम का लक्ष्य इस साल अक्तूबर या नवंबर तक शूटिंग शुरू करने का है। कृति डॉन 3 से पहले तेरे इश्क में की शूटिंग खत्म करेंगी।

तापसी पन्नू कैसे बनीं फिल्म 'गांधारी' का हिस्सा? राइटर कनिका ढिल्लों ने साझा की असल वजह

तापसी पन्नू ने अपने अब तक के करियर में कई महिला प्रधान फिल्में की हैं। वह थप्पड़ जैसी महिला प्रधान फिल्म का हिस्सा रहीं, इस फिल्म में गंभीरता से महिला मुद्दों को उठाया गया था। जल्द ही वह फिल्म 'गांधारी' में भी एक चुनौतीपूर्ण किरदार करने वाली हैं। इस फिल्म और किरदार के लिए तापसी का चयन कैसे हुआ? इस बारे में प्रोड्यूसर, राइटर कनिका ढिल्लों ने हाल ही में विस्तार से बताया।

हिंदुस्तान टाइम्स से की गई हालिया बातचीत में कनिक ढिल्लों कहती हैं, 'फिल्म गांधारी एक बदले की कहानी है, साथ ही इसमें एक मां और बच्चे की प्यार भरे रिश्ते की कहानी भी शामिल है। एक मां अपने बच्चे को बचाने के लिए किस हद तक जा सकती है, यही फिल्म हमारी फिल्म की स्टोरी लाइन है।' कनिका आगे बताती हैं, 'तापसी काफी समय से एक एक्शन जॉनर की फिल्म करना चाहती थीं। ऐसे में वह हमारी फिल्म की कहानी के साथ फिट बैठ रही थीं। सबकुछ जैसे सही समय पर हो गया। तापसी को भी फिल्म 'गांधारी' की कहानी, इसकी भावनाएं पसंद आईं।' हाल ही में इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी है, इससे जुड़ी कुछ तस्वीरें तापसी पन्नू ने भी अपने इंस्टाग्राम पर साझा की थीं। तापसी इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं। फिल्म 'गांधारी' को कनिका कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इसके निर्देशक देवाशीष मखीजा हैं। फिल्म इस साल ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। तापसी इसमें एक अंधी महिला के किरदार में नजर आएंगी।

10 घंटे शूटिंग करने के बाद टाइगर श्रॉफ ने उठाया 180 किलो वजन

बॉलीवुड के बेहतरीन एक्टर टाइगर श्रॉफ जबरदस्त एक्शन और फिटनेस के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 10 घंटे की शूटिंग के बाद जिम क्लब में 180 किलो वजन उठाया है। टाइगर श्रॉफ ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिनेता के ट्रेनर उन्हें रिस्ट सपोर्टर दे रहे हैं। इसके बाद टाइगर वजन उठाते हैं। वजन उठाने से पहले वह कहते हैं शूटिंग के बाद 180 किलो। टाइगर श्रॉफ छह बार वजन उठाते हैं। इस दौरान उनका ट्रेनर उन्हें हौसला देता है और कहता है बस हो गया। वजन नीचे रखने के बाद टाइगर श्रॉफ अपने ट्रेनर से कहते हैं चाचू बहुत हल्का है। टाइगर श्रॉफ ने वीडियो के कैप्शन में लिखा है 10 घटों तक एक्शन करने के बाद 180 किलो वजन हल्का लग रहा है। कमरे में अभी भी मैं सबसे ज्यादा मजबूत हूं। ख्याल रहे कि टाइगर श्रॉफ बागी 4 की शूटिंग कर रहे हैं। यह फिल्म पांच सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म का एलान पिछले साल 18 नवंबर को किया गया था। फिल्म का निर्देशन ए हर्ष कर रहे हैं। टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम पर इस फिल्म का पोस्टर जारी किया था। पोस्टर में देखा जा सकता है कि वह एक टॉयलेट सीट पर चाकू और बोतल के साथ बैठे हैं। दीवार, फर्श और उनके चेहरे पर खून लगा है। पोस्टर में नजर आ रहा है कि कुछ लोगों की लाशें भी नीचे पड़ी हैं। फिल्म बागी साल 2016 में रिलीज हुई थी। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म थी। यह फिल्म साल 2004 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म वर्षम की रीमेक थी।

फिल्म बागी 2 साल 2018 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन अहमद खान ने किया था। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ, दिशा पाटनी और मनोज बाजपेयी थे।

'चोर बजारी दो नैनों कीज' गाना हुआ रीमेक, फिल्म राजकुमार की, यूजर्स को याद आए सैफ अली खान

राजकुमार राव ने इंस्टाग्राम पेज पर अपनी आने वाली फिल्म 'भूल चूक माफ' के नए गाने 'चोर बजारीज' का टीजर शेयर किया है। इस गाने में राजकुमार के साथ वामिका गब्बी रोमांस करती हुई दिखीं। 23 अप्रैल को यह गाना रिलीज होगा। इस गाने को देख-सुनकर सोशल मीडिया यूजर्स को एक्टर सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण याद आने लगे। साथ ही इस गाने को लेकर भी सोशल मीडिया यूजर्स ने नेगेटिव रिएक्शन दिया। जानिए, ऐसा क्यों हो रहा है?

फिल्म 'भूल चूक माफ' का गाना 'चोर बजारीज' नया नहीं है, यह एक पुरानी फिल्म का रीमेक सॉन्ग है। सैफ अली खान की लव आज कल में यह गाना था। इस गाने में सैफ के साथ दीपिका पादुकोण रोमांस करती दिखी थीं। अब 'भूल चूक माफ' में राजकुमार और वामिका इसी गाने पर डांस कर रहे हैं, रोमांस कर रहे हैं।

राजकुमार राव की शेयर पोस्ट पर ही सोशल मीडिया यूजर्स ने अपना रिएक्शन दिया है। कई यूजर्स को यह बात अच्छी नहीं लगी कि इतने बढ़िया सॉन्ग को रीमेक कर दिया। एक यूजर को लिखता है, 'कभी तो कुछ नया बना लिया करो।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'यह गाना सैफ अली खान पर ही अच्छा लगता है।' ऐसे ही कई कमेंट्स 'चोर बजारीज' सॉन्ग को लेकर यूजर्स करते दिखे। फिल्म 'भूल चूक माफ' 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी टाइम लूप पर है। फिल्म के मुख्य किरदार रंजन और तितली की शादी होने वाली है लेकिन हल्दी के बाद शादी का दिन कभी नहीं आता है। इस स्थिति में रंजन क्या करता है? यही स्टोरीलाइन है। फिल्म 'भूल चूक माफ' में वामिका गब्बी, राजकुमार राव के अलावा संजय मिश्रा, सीमा पाहवा, जाकिर हुसैन, रघुबीर यादव जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म को करण शर्मा ने निर्देशित किया है।

पवन कल्याण ने पूरी की 'हरी हर वीरमल्लु'की शूटिंग

पवन कल्याण अभिनीत हरी हर वीरमल्लुभाग 1- स्वॉर्ड बनाम स्पिरिट का इंतजार काफी लंबा रहा है। पहले कृष जगरलामुदी द्वारा निर्देशित और बाद में ज्योति कृष्णा द्वारा निर्देशित, इस फिल्म को पिछले कुछ सालों में कई बार देरी का सामना करना पड़ा है, जिससे प्रशंसक निराश हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि पवन कल्याण ने डबिंग समेत फिल्म के बाकी हिस्सों को पूरा करने के लिए समय बांट कर दिया है। अब उम्मीदें बढ़ गई हैं कि फिल्म मई के अंत तक रिलीज हो सकती है।

साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म हरी हर वीरमल्लु को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। हरि हर वीरा मल्लू बड़े बजट के साथ बनाई जा रही है। फिलहाल फिल्म की शूटिंग तेजी से की जा रही है। यह फिल्म अपनी ज्यादातर शूटिंग पहले ही पूरी कर चुकी है। वहीं, अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है। पवन कल्याण अभिनीत हरी हर वीरमल्लुभाग 1- स्वॉर्ड बनाम स्पिरिट का इंतजार काफी लंबा रहा है। पहले कृष जगरलामुदी द्वारा निर्देशित और बाद में ज्योति कृष्णा द्वारा निर्देशित, इस फिल्म को पिछले कुछ सालों में कई बार देरी का सामना करना पड़ा है, जिससे प्रशंसक निराश हैं। हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि पवन कल्याण ने डबिंग समेत फिल्म के बाकी हिस्सों को पूरा करने के लिए समय बांट कर दिया है। अब उम्मीदें बढ़ गई हैं कि फिल्म मई के अंत तक रिलीज हो सकती है। वहीं, अब फिल्म को लेकर खबर है कि एक बड़ा शेड्यूल पूरा हो चुका है, लेकिन पार्ट वन के लिए नहीं। यह वास्तव में फिल्म का दूसरा भाग है यानी हरी हर वीरमल्लु, जिसने हाल ही में मुंबई में अपना अंतिम आउटडोर शूट पूरा किया है। फिल्म के कॉस्ट्यूम डिजाइनरों ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज के जरिए इसका खुलासा किया। इस बीच प्रशंसक निर्माताओं से अनुरोध कर रहे हैं कि वे पहले भाग को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करें और इसे जल्द से जल्द सिनेमाघरों में लाएं। प्रत्याशा बहुत अधिक है और कई लोग जल्द ही आधिकारिक रिलीज की तारीख की उम्मीद कर रहे हैं। इस फिल्म में निधि अग्रवाल मुख्य भूमिका में हैं, साथ ही बॉबी देओल, नरगिस फाखरी, नोरा फतेही और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं। मेगा सूर्या प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित हरि हर वीरमल्लू एक बहुभाषी फिल्म है, जिसका संगीत ऑस्कर विजेता एमएम कीरवानी ने तैयार किया है।

स्पर्श सीसीटीवी ने भारत में एसटीक्यूसी प्रमाणन के साथ नेतृत्व शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसीद्ध। भारत की अग्रणी सीसीटीवी कैमरा और इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा समाधान निर्माता स्पर्श ने आज घोषणा की कि वह भारत की पहली कंपनी बन गई है जिसने अपने सबसे विस्तृत सीसीटीवी उत्पाद पोर्टफोलियो के लिए एसटीक्यूसी (स्टैंडर्डाइजेशन टेस्टिंग एंड क्वालिटी सर्टिफिकेशन) प्राप्त किया है। यह उपलब्धि उस समय हासिल की गई है जब भारत सरकार ने 9 अप्रैल 2025 से सभी आईपी सीसीटीवी कैमरों की बिक्री के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणन अनिवार्य कर दिया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि स्पर्श की गुणवत्ता, सुरक्षा और आत्मनिर्भर भारत की पहल के प्रति शुरुआती प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जहां नए नियम अब सभी सीसीटीवी कैमरों के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणन को कानूनी रूप से आवश्यक बनाते हैं, वहीं स्पर्श का अग्रसक्रिय दृष्टिकोण इसे प्रमाणित समाधान प्रदान करने वाले पहले ब्रांड के रूप में स्थापित करता है, जिससे इसके ग्राहकों और भागीदारों को किसी भी प्रकार की रुकावट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

स्मार्ट सिटीज मिशनः 1.50 लाख करोड़ की 90 फीसदी से ज्यादा परियोजनाएं पूरी, शहरी विकास को मिल रही रफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 25 जून, 2015 को शुरू किया गया स्मार्ट सिटीज मिशन अपने 10 साल पूरे करने के करीब है। इस मिशन के तहत 100 शहरों में करीब 1.64 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली 8,000 से अधिक मल्टी-सेक्टोरल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। एसबीआई ने स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर जारी एक रिपोर्ट में कहा, कुल परियोजनाओं में से 7,504 यानी 90 फीसदी से अधिक पहले ही पूरी हो चुकी हैं, जिनकी लागत 1.50 लाख करोड़ रुपये है। यह बताता है कि देशभर में शहरी विकास में तेजी से प्रगति हो रही है।मिशन का जोर अर्बन मोबिलिटी (शहरी गतिशीलता) और जल/स्वच्छता बुनियादी ढांचे में सुधार पर रहा है। कुल लागत का करीब 50 फीसदी खर्च इन दो क्षेत्रों पर किया गया है, जिसमें 3,000 से अधिक परियोजनाएं शामिल हैं। इन दोनों क्षेत्रों में हर परियोजना पर औसतन 22 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, स्मार्ट सिटीज मिशन के तहत परियोजनाओं पर खर्च किए गए 1.64 लाख करोड़ रुपये में से करीब 92 फीसदी फंड का इस्तेमाल 21 प्रमुख राज्यों में किया गया है। फंड इस्तेमाल करने वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। तमिलनाडु दूसरे और महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है। परियोजनाओं पर कुल खर्च में इन तीनों राज्यों की हिस्सेदारी एक तिहाई है। केंद्र सरकार ने शहरी विकास की रफ्तार तेजी से बढ़ाने के लिए स्मार्ट सिटीज मिशन पर पांच वर्षों में 48,000 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है। इसमें हर शहर को प्रति वर्ष औसतन 100 करोड़ रुपये मिलेंगे।

उपभोग-निवेश अर्थव्यवस्था के मजबूत इंजन कमजोर विदेशी मांग से प्रभावित हो सकती है वृद्धि

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच उपभोग और निवेश जैसे वृद्धि के घरेलू इंजन मजबूत बने हुए हैं।ये बाहरी प्रतिकूल परिस्थितियों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित हैं। हालांकि, वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के कमजोर होने के साथ विदेश से मांग में नरमी के कारण भारत की आर्थिक वृद्धि दर प्रभावित हो सकती है। आरबीआईने मंगलवार को जारी अप्रैल के बुलेटिन में कहा, सूझबूझ के साथ नीतिगत समर्थन भारत को वैश्विक अस्थिरता को अवसर में बदलने और उभरते परिदृश्य में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद कर सकता है। हालांकि, व्यापार तनाव और वित्तीय बाजार में अस्थिरता ने निकट भविष्य में वैश्विक वृद्धि के कमजोर होने के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। बुलेटिन में आगे कहा गया है कि इस साल मानसून के सामान्य से बेहतर रहने का अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाओं को बढ़ावा मिला है। इससे कृषि आय में वृद्धि हो सकती है और खाद्य कीमतों को काबू में रखने में मदद मिल सकती है। बुलेटिन के मुताबिक, भारत के विभिन्न देशों के साथ व्यापार संबंधों को देखते हुए यह आपूर्ति श्रृंखला को व्यवस्थित कर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के स्रोतों को विविध बनाकर और वैश्विक निवेशकों के साथ जुड़ाव से लाभान्वित होने को तैयार है।

आयकर विभाग ने पोर्टल पर शुरू की ई-पे टैक्स सुविधा, आसानी से भुगतान कर सकेंगे कर

नईदिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग ने अपने आधारिक ऑनलाइन पोर्टल पर ई-पे टैक्स सुविधा शुरू की है। विभाग ने मंगलवार को कहा है कि उसने करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। अब करदाता अपने करों का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। आयकर विभाग ने एक बयान में कहा, विभाग द्वारा शुरू की गई ई-पे टैक्स सुविधा आपके कर दायित्वों को पूरा करने का एक सुंदर, कुशल और परेशानी मुक्त तरीका है। विभाग ने आगे कहा कि अब बैंकों में लंबी कतारें, थकाऊ फॉर्म भरने और आखिरी समय में कर भुगतान की चिंता के दिन खत्म हो गए हैं। टैक्स भरने को आसान और सुविधाजनक बनाने के लिए, और लोगों को डिजिटल तरीके से सशक्त करने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, आयकर विभाग ने अपने आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर ई-पे टैक्स सुविधा शुरू की है। आयकर विभाग ने कहा कि यह सुविधा टैक्स भुगतान प्रक्रिया में रुकावटों को दूर करेगी। साथ ही समय पर टैक्स भरने की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेगी। विभाग ने आगे कहा कि यह सुविधा कर प्रशासन को नागरिकों के करीब लाती है, विशेष रूप से व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों के लिए, तथा उन्हें एक सीधा डिजिटल मार्ग प्रदान करती है।

अडानी ग्रुप ने टेलीकॉम बिजनस से पल्ला झाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमूमन ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि गौतम अडानी किसी प्रोजेक्ट में हाथ डालें और फिर पीछे हट जाएं। लेकिन पहली बार ऐसा होने जा रहा है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस ने टेलीकॉम सेक्टर से हाथ पीछे खींचने का फैसला किया है। अडानी ग्रुप ने साल 2022 में जो स्पेक्ट्रम खरीदा था, उसे भारती एयरटेल को बेचने का फैसला किया है। अडानी डेटा नेटवर्क्स ने बैंड में 400 एमएच5 स्पेक्ट्रम लगभग 212 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब यह स्पेक्ट्रम एयरटेल को मिल जाएगा। अडानी ग्रुप ने पहले कहा था कि वह इस स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल अपने निजी इस्तेमाल के लिए करेगा। लेकिन टेलीकॉम विभाग के नियमों के अनुसार स्पेक्ट्रम खरीदने वाली कंपनियों को कुछ शर्तों को पूरा करना होता है। ऐसा न करने पर जुर्माना लग सकता है। सुनील भारती मित्तल की अगुवाई वाली कंपनी एयरटेल ने कहा कि भारती एयरटेल और उसकी सहायक कंपनी भारती हेक्साकॉम ने अडानी एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी अडानी डेटा नेटवर्क्स के साथ एक समझौता किया है। इस समझौते के तहत एयरटेल को गुजरात (100एमएच5), मुंबई (100एमएच5), आंध्र प्रदेश (50एमएच5), राजस्थान (50एमएच5), कर्नाटक (50एमएच5) और तमिलनाडु (50एमएच5) में 26जीएच5 बैंड का 400एमएच5 स्पेक्ट्रम इस्तेमाल करने का अधिकार मिलेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि यह सौदा कुछ शर्तों और सरकारी मंजूरियों के बाद पूरा होगा।

अक्षय ऊर्जा में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा

भोपाल। अब देश में निर्माण होने वाले सोलर पैनलों की परीक्षण व प्रमाणीकरण की सुविधा देश में ही उपलब्ध होगी। नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री (एमएनआरई) प्रह्लाद जोशी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गुड़गांव में नेशनल इंस्ट्रीयूट ऑफ सोलर इनर्जी (नाइस) की तरफ से स्थापित पीवी मॉड्यूल की टेस्टिंग व कैलिब्रेशन लैब का उद्घाटन किया।

देश के सबसे बड़े प्रॉब्लम-सॉल्विंग प्लेटफॉर्म, एचसीएल जिगसॉ के छठे एडिशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। एचसीएल ने देश के सबसे बड़े प्रॉब्लम-सॉल्विंग प्लेटफॉर्म, एचसीएल जिगसॉ का छठा एडिशन पेश किया है। यह प्लेटफॉर्म खासतौर पर स्कूल के छात्रों के लिए तैयार किया गया है, ताकि उनमें नवाचार, विश्लेषण और तार्किक सोच को बढ़ावा दिया जा सके। एचसीएल जिगसॉ का उदेश्य छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं को समझने और सुलझाने में सक्षम बनाना है। इसमें कक्षा 6 से 9 तक के छात्रों का मूल्यांकन 21वीं सदी की महत्वपूर्ण स्किल्स के आधार पर किया जाता है, जिनमें रिसर्च, क्रिटिकल थिंकिंग और कम्युनिकेशन शामिल है। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक छात्र या स्कूल पर जाकर 31 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। कुल 12 लाख रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि फाइनलिस्ट्स को दी जाएगी, जिसमें एचसीएल के इनोवेशन लैब्स में लर्निंग अवसर भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, एचसीएल जिगसॉ सभी स्कूल के छात्रों को बिना किसी शुल्क के भाग लेने का मौका देता है। छठे एडिशन में, प्रोजेक्ट-आधारित चुनौती का उद्देश्य कोलैब, क्रिएट और कॉन्कर रहेगा, जो इस साल के मिशन के तौर पर पेश किया गया है। सम्पूर्ण भारत के लिए संचालित की जा रही यह पहल भारत के शीर्ष युवा प्रॉब्लम सॉल्वर्स के विकास को बढ़ावा देने पर आधारित है, जो उनके क्रिटिकल थिंकिंग कौशल को एक सख्त मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से मजबूत करती है और इसके लिए उन्हें पुरस्कृत भी करती है। यह पहल भारत की नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप है, जो कॉग्निटिव लर्निंग (संज्ञानात्मक शिक्षा) और भविष्य के लिए तैयार स्किल्स को बढ़ावा देती है। इस पहल पर विचार करते हुए, रजत चंदोलिया, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट और हेड- ब्रांड, एचसीएल ग्रुप, ने कहा, एचसीएल में, हमारा उद्देश्य युवाओं की क्षमता को बढ़ावा देना है, ताकि वे गतिशील दुनिया के साथ-साथ आगे बढ़ सकें। एचसीएल जिगसॉ कोई म्ज़ि या ओलंपियाड नहीं है, बल्कि यह एक लॉन्चपैड है, जो युवा विचारकों, सहयोगियों और रचनाकारों को समर्पित है। अब तक हमें मिली भागीदारी शानदार रही है। ऐसे में, अब हम इस एडिशन से और भी अधिक स्कूलों को प्रेरित करने के लिए उत्साहित हैं, ताकि वे अपने छात्रों की क्षमता को उजागर कर सकें, जहाँ कक्षाएँ वास्तविक दुनिया से मिलती हैं।

सोना इस साल 22,650 महंगा, अगले एक माह में 8 फीसदी तक घट सकते हैं दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। टैरिफ वार शुरू होने के बाद दुनियाभर में उपजी अनिश्चितताओं के बीच सोना लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है।मंगलवार को यह दिल्ली सराफा बाजार में एक लाख रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही, सोने की कीमत इस साल अब तक 22,650 रुपये या 28.68 फीसदी बढ़ चुकी है। 31 दिसंबर, 2024 को सोना 78,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव बंद हुआ था। सराफा कारोबारियों का कहना है कि अक्षय तृतीया जैसे त्योहार और शादी-विवाह के सीजन में मांग बढ़ने की उम्मीद के चलते आभूषण विक्रेताओं ने सोने की खरीदारी बढ़ाई है, जिससे बहुमूल्य धातु की कीमतों को समर्थन मिला है। केडिया एडवाइजरी के निदेशक अजय केडिया ने कहा, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद घरेलू बाजार में सोने की कीमत अगले एक महीने में घटकर 91,000 से 92,000 रुपये के स्तर पर आ सकती हैं, जो 7-8 फीसदी की गिरावट को दर्शाता है। अगर व्यापार युद्ध में नरमी आती है और अनिश्चितताएं कुछ कम होती हैं, तो सोने में और बड़ी गिरावट आ सकती है। अजय केडिया ने कहा, अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। लेकिन, मौजूदा हालात में कीमतें जिस रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं, उसमें नई खरीदारी से बचना चाहिए। सोना एक साल में 40 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। 1980 के बाद से किसी भी एसेट क्लास ने इतना बड़ा रिटर्न नहीं दिया है। ऐसे में सोने में मुनाफावसूली हो सकती है, जिससे कीमतों में गिरावट आने का अनुमान है।

अक्षय तृतीया पर अच्छी खरीदी की उम्मीद

विश्व स्वर्ण परिषद के क्षेत्रीय सीईओ सचिन जैन ने कहा, उद्योग की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि अक्षय तृतीया पर खरीदारी का रुझान अच्छा रहेगा। अनिश्चितताओं के बावजूद खुदरा आभूषण विक्रेताओं के पास पर्याप्त स्टॉक है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन 2025 तक 1000 गांवों को स्वच्छ, नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों तक पहुंच प्रदान करेगा

मुंबई, एजेंसी। जैसा कि दुनिया 2025 में पृथ्वी दिवस मना रही है, एचडीएफसी बैंक अपने प्रमुख सीएसआर पहल, परिवर्तन के तहत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर घोषित करके सतत प्रगति के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। बैंक 2025 तक अभिनव सौर-संचालित बुनियादी ढांचे, जागरूकता और स्थानीय भागीदारी के माध्यम से भारत भर में 1,000 से अधिक गांवों को स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों तक पहुंच प्रदान कर ग्रामीण और अर्ध-शहरी समुदायों को सशक्त बनाना। नवीकरणीय ऊर्जा में बैंक का काम इस साल के पृथ्वी दिवस की थीम, हमारी शक्ति, हमारा ग्रह के अनुरूप है, जो स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने के वैश्विक त्वरण का आह्वान करता है। प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के अपने स्तंभ के तहत, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने 22 राज्यों में 61,655 से अधिक सौर स्ट्रीटलाइट्स स्थापित की हैं। स्ट्रीट लाइट के अलावा, परिवर्तन सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सौर पैनल लगा रहा है। इसने कई सौर पहल भी शुरू की हैं जो ग्रामीण जीवन को सड़क सुरक्षा से लेकर पीने के पानी, खेती, खाद्य प्रसंस्करण और आजीविका में वृद्धि तक बेहतर बना रही हैं। यह समझते हुए कि केवल बुनियादी ढांचा ही पर्याप्त नहीं है, एचडीएफसी बैंक ने सोलर शिक्षा विकसित की है, जो अर्ध-शहरी भारत में सौर ऊर्जा अपनाने के रहस्य को दूर करने के लिए डिज़ाइन की गई एक जागरूकता पहल है।

कूल रहें और स्मार्ट खरीदारी करें अमेजन पर पालतू जानवरों, शिशुओं और तंदरुस्ती के लिए आपकी बेहतरीन गर्मियों की गाइड

बेंगलुरु, एजेंसी। बढ़ते तापमान के साथ, ठंडा और आरामदायक रहना सर्वोच्च प्राथमिकता है और अमेजन डाट इन आपको पूरे मौसम में ठंडा और आरामदायक रहने में मदद करने के लिए मौजूद है। ताज़ा और ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थों से लेकर, पालतू जानवरों की देखभाल के लिए ज़रूरी सामान और शिशु देखभाल उत्पादों तक, इस वन-स्टॉप डेस्टिनेशन में तेज़ और विश्वसनीय डिलीवरी की सुविधा के साथ गर्मियों की हर ज़रूरी चीज़ की विस्तृत श्रृंखला मौजूद है। ग्राहक अमेज़न पे का उपयोग करके अतिरिक्त बचत और सुविधा का भी आनंद ले सकते हैं; प्राइम सदस्यों को 10 लाख से अधिक उत्पादों पर उसी दिन डिलीवरी का आनंद मिलता है। चाहे आप धूप में बाहर जाने की योजना बना रहे हों या घर के अंदर शीतलता पाने के तरीके खोज रहे हों, अमेजन डाट इन यह सुनिश्चित करता है कि आपको लिक्विड आई.वी., स्लीपी आउल, ग्लूकोन-डी, हिमालय, बैम्बो नेचर, पेटविट और गूफी टेल्स जैसे शीर्ष ब्रांडों से सभी आवश्यक उत्पाद सीधे आपके घर के दरवाजे तक पहुंचाई जाएं।

लिक्विड आई.वी. हाइड्रेशन मल्टीप्लायरः हाइड्रेशन मल्टीप्लायर प्रीमियम सामग्री से बने इस पेय मे प्राकृतिक स्वाद हैं और यह वर्कआउट, यात्रा या लंबे दिनों के लिए एकदम सही है।

ग्लूकोन-डी टैंगी ऑरेंज ग्लूकोज़ पाउडरः इस ग्लूकोज़ पाउडर से ऊर्जावान और तरोताज़ा रहें। तुरंत ऊर्जा पाने के लिए बनाया गया यह पेय थकान से लड़ने में मदद करता है और आपको गर्म, थकाऊ दिनों में भी सक्रिय रखता है। इसका स्वादिष्ट टैंगी ऑरेंज फ्लेवर हाइड्रेशन को और भी मज़ेदार बनाता है इसे पानी में मिलाकर कभी भी, कहीं भी पिएं और तुरंत ऊर्जा पाएँ।

कॉन्टिनेंटल दिस लेमन आइस्ड टीः कॉन्टिनेंटल दिस लेमन प्रीमिक्स आइस्ड टी के साथ ठंडक पाएं, यह प्राकृतिक स्वाद और बिना किसी कृत्रिम योजक के साथ बनाया गया सिट्रस का एक ताज़ा विस्फोट है। कुछ ही सेकंड में तैयार हो जाने वाली यह क्रिस्प, ज़ेस्टी आइस्ड टी किसी भी अवसर के लिए एकदम सही है।

मोगू मल्टी फ्लेवर मिक्स फ्रूट जूसः मोगू के साथ एक मजेदार और ताज़गी भरा अनुभव पाएं, यह एक अनोखा फ्रूट जूस है जिसमें नाटा डे कोको मिलाया गया है - यह किण्वित नारियल पानी से बना एक चबाने वाला, स्वादिष्ट ट्रीट है। हर घूंट में शानदार टेक्सचर के साथ बोल्ड फ्रूट फ्लेवर का मिश्रण होता है, जो हाइड्रेशन को वाकई एक सुखद अनुभव बनाता है।

तरीका बदला और टेक्नोलॉजी का किया इस्तेमाल, अब महीने में 5 लाख की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। गुजरात के धीरेंद्र कुमार देसाई ने आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करके केले की खेती में क्रांति ला दी है। वह प्रति एकड़ 35 टन केले की उपज हासिल करते हैं। खेती से उनकी सालाना कमाई 50-60 लाख रुपये है। 51 वर्षीय धीरेंद्र कुमार ने टिश्यू कल्चर तकनीक और आधुनिक सिंचाई विधियों को अपनाकर अपनी खेती को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। उनकी सफलता की कहानी पूरे देश के किसानों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अन्य किसानों को भी आधुनिक खेती के तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। आइए, यहां धीरेंद्र कुमार देसाई की सफलता के सफर के बारे जानते हैं। धीरेंद्र कुमार भानुभाई देसाई गुजरात के भरूच जिले के झगाड़िया तालुका के पनेठा गांव के रहने वाले हैं। उन्होंने 1991 में अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद खेती शुरू की। उनका परिवार पहले पारंपरिक तरीके से खेती करता था। इससे ज्यादा फायदा नहीं होता था। धीरेंद्र कुमार ने खेती में बदलाव लाने का फैसला किया। उन्होंने आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया। अपनी खेती को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने आसपास के किसानों को भी मदद की। धीरेंद्र कुमार ने केले और गन्ने की खेती से शुरुआत की। उन्हें कई तरह की परेशानियां आईं, जैसे कि पैसे की कमी और खेती के लिए जरूरी चीजों का अभाव। एक बार वह कृषि दौरे पर गए। वहां उन्होंने ड्रिप सिंचाई, टिश्यू कल्चर

और इंटीग्रेटेड बायो-न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट के बारे में जाना। मोर क्रॉप पर ड्रॉप' यानी हर बूंद में ज्यादा फसल के नारे से प्रेरित होकर धीरेंद्र कुमार ने लगातार फसल उगाने का तरीका अपनाया। इससे उनकी पैदावार बहुत बढ़ गई। साथ ही लागत कम हो गई। धीरेंद्र कुमार ने केले की खेती में कई नए तरीके अपनाए। उन्होंने ड्रिप सिंचाई, प्लांट टिश्यू कल्चर, हरी खाद और बायो-कंपोस्टिंग का इस्तेमाल किया। वह केले की ज9 किस्म उगाते हैं। उनकी तकनीक पूरे देश में एक मिसाल बन गई है। उनकी पैदावार दोगुनी हो गई है। पहले प्रति एकड़ 15 टन केले की उपज होती थी, जो अब बढ़कर 35 टन प्रति एकड़ हो गई है। उनके खेत में ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल करके फसलों पर कीटनाशक का छिड़काव किया जाता है। इससे और भी बेहतर तरीके से काम हो पाता है। धीरेंद्र कुमार ने अपनी निजी सफलता से बढ़कर किसानों के समुदाय को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने केला उत्पादकों के लिए एक को-ऑपरेटिव सोसाइटी बनाई है। इससे किसानों को सामूहिक रूप से मार्केटिंग करने और अपनी आय बढ़ाने में मदद मिलती है। उनके प्रयासों से गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के 1,000 से अधिक किसानों को हाई-टेक केले की खेती के तरीकों को अपनाने की प्रेरणा मिली है। केले के अलावा, देसाई ने अपने खेत में ब्राजील के मीठे संतरे की किस्म नाटल के 1200 पौधे लगाए हैं। उनकी दूरदर्शी सोच के कारण उनके गांव में एक केला चिप्स बनाने की इकाई की स्थापना हुई है।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा तारा ऑफसेट प्रिंटर्स शेड नम्बर 2, बीडीए के सामने, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से मुद्रित एवं 87,पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित। संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898 RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)